मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक
उल्हास विकास
■ वर्ष : 44 ■ अंक : 90 ■ रविवार 14 जून 2026 ■ पृष्ठ 4
3 रुपए
संपादक - हीरो अशोक बोधा BMM, L.L.B., M.A.
Mobile.:- 9822045566
epaper.ulhasvikas.com
@ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com

पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..

'कृष-4' से पहले ग्लोबल स्टार बनेंगे ऋतिक

तेजी से सूख रहा बारवी डैम

■ बारवी डैम में में बचा 27% पानी
■ उल्हासनगर में पानी के लिए दर-दर भटकने को मजबूर लोग
■ टैंकर रेट - 1,500 से 2,000 रुपये

उल्हासनगर. उल्हासनगर के लोगों के नल तो पहले से ही सूख चुके हैं, वहीं अब टैंकर की कमी से हालात और भी गंभीर हो गए हैं. बारावी डैम में तेजी से घटते पानी के जलस्तर, बार-बार पानी की कटौती और टैंकर न मिलने की वजह से शहर के हजारों लोगों को पानी के लिए दर-दर भटकना पड़ रहा है. जहां प्रशासन की प्लानिंग पर सवाल उठ रहे हैं, वहीं लोग टैंकर माफिया के मनमाने रेट के चंगुल में फंस गए हैं.

शहर में इस समय पानी की भारी कमी है और टैंकरों की कमी ने अब इस समस्या को और बढ़ा दिया है. कई सोसायटियों और मल्टी-स्टोरी बिल्डिंग्स में लगातार दो दिन पानी न आने की शिकायतें बढ़ गई हैं. इस वजह से लोगों को पीने के पानी से लेकर रोज़ाना इस्तेमाल होने वाले पानी के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ रही है. कई इलाकों में लोग पानी के लिए भाग रहे हैं और उनके पास टैंकरों पर निर्भर रहने के अलावा कोई चारा नहीं है. बारवी डैम में तेज़ी से घटते पानी के स्टोरेज को इस संकट का मुख्य कारण माना जा रहा है. इस साल डैम में सिर्फ़ 27.66 परसेंट पानी बचा है, जबकि पिछले साल इसी समय में स्टोरेज 36.69 परसेंट था. पानी के स्टोरेज में इस बड़ी कमी के कारण, प्रशासन ने पानी कम करने की पॉलिसी अपनाई है.

48 घंटे की कटौती की समस्या?

शहर में लागू 24 घंटे की पानी कटौती असल में लोगों के लिए 48 घंटे की मुश्किल बन गई है. क्योंकि कटौती के बाद पानी की सप्लाई बहाल करने में ज़्यादा समय लगता है, इसलिए कई इलाकों में दो-दो दिन तक नल सूखे रह रहे हैं. कुछ जगहों पर, शिकायतें हैं कि कम प्रेशर के कारण ऊँची इमारतों की ऊपरी मंज़िलों तक पानी नहीं पहुँच रहा है.

टैंकरों के लिए डबल रेट...

प्रतीकात्मक फोटो

महानगरपालिका ने एक टैंकर का ऑफिशियल रेट 750 रुपये तय किया है. लेकिन, शिकायतें सामने आ रही हैं कि कुछ प्राइवेट टैंकर ड्राइवर कम पानी का फ़ायदा उठाकर 1,500 से 2,000 रुपये वसूल रहे हैं. पानी की ज़रूरत के कारण, नागरिकों के पास इन बढ़ी हुई दरों का भुगतान करने के अलावा कोई विकल्प नहीं है, जिसके परिणामस्वरूप वित्तीय संकट पैदा हो गया है.

अंबरनाथ में डेढ़ घंटे में 6 घरों से 11 मोबाइल चोरी

■ सुबह में 6 बजे के बाद हुई चोरियां
■ 3 लाख 81 हजार की चोरी

अंबरनाथ. अंबरनाथ पश्चिम के 6 परिसर में दो दिनों पूर्व चोरों ने सुबह के समय चोरी करके दहशत का माहौल बना दिया है. अज्ञात चोरों ने चिंचपाड़ा, खुंटवली, गांवदेवी, श्री बालाजी दर्शन सोसायटी, घाडगे नगर और विमको नाका में केवल डेढ़ घंटे में 11 मोबाइल फोन, 2 लैपटाप, महत्वपूर्ण दस्तावेज कुल 3 लाख 81 हजार रुपयों के सामान चोरी करके चोर फरार हो गए हैं. परिसर में डर का माहौल उत्पन्न हो गया है. ये 6 चोरी सुबह 6 से 7.30 बजे के बीच में हुई है.

गुरुवार सुबह सफेद शर्ट और खाकी पैंट डाले हुए दो चोरों ने घर का दरवाजा खुला देखकर गहरी नींद में सोये हुए अथवा काम में लगे देखकर ये चोरी की है. प्रभुकृपा अपार्टमेंट के निवासी अयाज मकबूल खान के घर से डेल व लेनोवा के 2 लैपटॉप, दो मोबाइल, बैंक कार्ड, पैन कार्ड, आधार कार्ड व अन्य दस्तावेज के साथ 2 लाख 71 हजार का सामान चोरी किया है. यहां से ये दोनों चोर चिंचपाड़ा, डीएच पाटिल कालोनी में गए. आदित्य कुमार जाट के घर से विवो और ओपो के तीन मोबाइल, गांवदेवी रोड के निवासी आकाश गुरव के घर से मोबाइल चोरी किया. विमको नाका के नदीम शेख के घर से वन प्लस मोबाइल और घाडगे नगर से राजकुमार सिंह के घर से रेडमी मोबाइल व आरसी बुक चोरी कर लिया. ये सभी चोरियां एक ही तरीके से होने के कारण ये समझा जा रहा है कि चोरों को एक ही टोली ने पहले वॉच रखकर बाद में ये चोरी की है.

अंबरनाथ पुलिस में अपराध दर्ज किया गया है. तीन दिनों पूर्व ही पनवेलकर गार्डन के पास महिला के गल से चेन स्नैचिंग की वारदात हुई है.

सेंचुरी कंपनी के वर्कर पर फायरिंग

कल्याण. बर्थडे केक काटने को लेकर हुए झगड़े में मोहने के अभ्या गुंडे ने अपने साथी की मदद से रात करीब 11:30 बजे एक कंपनी वर्कर पर फायरिंग कर दी. गोली मिस होने से वर्कर बाल-बाल बच गया. इस मामले में खड़कपाड़ा पुलिस स्टेशन में केस दर्ज किया गया है. जिस कंपनी वर्कर को गोली लगी है, उसका नाम मोनू शंकर फुलारी (21) है. वह अपने परिवार के साथ अटाली गांव में रहता है. वह शहाड़ में सेंचुरी रेयॉन कंपनी में वर्कर के तौर पर काम करता है. उसका एक भाई ज्ञानेश्वर (18) है.

मोनू फुलारी की शिकायत पर पुलिस ने मोहने लहुजीनगर इलाके के अभिषेक प्रकाश पवार उर्फ अभ्या, अमोल देवरे, सोहेल तंबोली, विजय भुटकर, समीर वाघमारे, प्रणय डोलास और आठ अन्य अज्ञात युवकों के खिलाफ केस दर्ज किया है.

उल्हासनगर के सर्वांगीण विकास को मिलेगी रफ्तार

■ सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे, महापौर की 'नंदनवन' में मीटिंग

उल्हासनगर. शहर के सर्वांगीण विकास में तेज़ी लाने और आने वाले समय में अलग-अलग बड़े डेवलपमेंट प्रोजेक्ट्स को बढ़ावा देने के लिए, MP डॉ. श्रीकांत शिंदे ने मुंबई में अपने नंदनवन घर पर उल्हासनगर शहर के लोगों के प्रतिनिधियों और शिवसेना के पदाधिकारियों के साथ एक ज़रूरी मीटिंग की.

इस मीटिंग में महापौर अश्विनी निकम ने MP डॉ. श्रीकांत शिंदे से मुलाक़ात की. इसमें शहर के डेवलपमेंट के रोडमैप, अलग-अलग इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स, लोगों की रोज़मर्रा की ज़िंदगी से जुड़े मुद्दों और ज़रूरी डेवलपमेंट फंड्स पर डिटेल में चर्चा हुई.

डेवलपमेंट के लिए ज़रूरी उपायों पर चर्चा

उल्हासनगर तेज़ी से बढ़ता हुआ और कमर्शियली ज़रूरी शहर है और बढ़ती आबादी के साथ, शहर में और ज़्यादा काबिल इंफ्रास्ट्रक्चर बनाने की ज़रूरत है. इस सिलसिले में हुई मीटिंग में शहर में सड़कों, पानी की सप्लाई, ड्रेनेज सिस्टम, पब्लिक हेल्थ सुविधाओं,

एजुकेशन सेक्टर, पार्कों, स्पोर्ट्स सुविधाओं और ट्रांसपोर्ट सिस्टम के डेवलपमेंट के लिए ज़रूरी उपायों पर चर्चा हुई. गणमान्य लोगों ने नागरिकों की उम्मीदों और ज़रूरतों का रिव्यू किया.

इस समय, डिस्ट्रिक्ट चीफ गोपाल लांडगे, मेयर अश्विनी कमलेश निकम, हाउस लीडर अरुण आशान, स्टैंडिंग कमिटी के चेयरमैन कलवंतसिंह (बिट्टू) सोहता, एजुकेशन कमिटी के चेयरपर्सन सारथी सुर्वे, कॉर्पोरेटर दुर्गा प्रसाद राय, जमनदास पुरसवानी, आकाश चक्रवर्ती और शिवसेना के लोकल लीडर कमलेश निकम मौजूद थे. लोगों ने MP डॉ. श्रीकांत शिंदे को अपने वार्ड में हो रहे अलग-अलग डेवलपमेंट कामों के बारे में बताया और नागरिकों की उम्मीदों और ज़रूरतों का भी रिव्यू किया.

आग की लपटों में घिरी कार

उल्हासनगर. उल्हासनगर कैंप-4 में श्मशान घाट के सामने एक कार में आग लग गई. आग में कार पूरी तरह जल गई और खुशकिस्मती से कोई हताहत नहीं हुआ. हालांकि, जली हुई कार सड़क के बीच में खड़ी थी, जिससे ट्रैफिक पर असर पड़ा और ड्राइवरों को बड़ी परेशानी हुई.

घटना की जानकारी मिलने के बाद, स्थानीय नागरिक पवन मोटवानी और गिरीश वलेचा ने मौके की तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल किए. इन दृश्यों में, कार आग की लपटों में घिरी हुई दिख रही है और

उल्हासनगर नगर निगम के फायर ब्रिगेड के कर्मचारी आग बुझाने की पूरी कोशिश करते दिख रहे हैं.

नेताजी चौक पर फायर डिपार्टमेंट की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार, 10 जून को सुबह करीब 4.15 बजे कार में आग लगने की जानकारी मिली थी. उसके बाद, फायर ब्रिगेड तुरंत मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया. पता चला है कि जली हुई गाड़ी मुंबई पासिंग की है. ड्राइवर दिलीप लोदी ने फायर ब्रिगेड को शुरुआती जानकारी दी है कि आग शॉर्ट सर्किट की वजह से लगी थी. घटना की आगे की जांच चल रही है.

उल्हासनगर में गावठी कट्टा और जिंदा कारतूस के साथ एक गिरफ्तार

उल्हासनगर. विट्ठलवाड़ी पुलिस स्टेशन की एंटी-नारकोटिक्स एंड क्राइम इन्वेस्टिगेशन टीम ने एक बदमाश को गावठी कट्टा और जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार आरोपी का नाम दिलीप नाना ढमडेरे है और वह पुलिस रिकॉर्ड में एक बदमाश है.

विट्ठलवाड़ी पुलिस स्टेशन की एंटी-नारकोटिक्स एंड क्राइम इन्वेस्टिगेशन टीम को शुक्रवार शाम करीब 6:30 बजे एक खुफिया मुखबिर से सूचना मिली कि कैंप नंबर-4, VTC ग्राउंड के पास 'आरती बीयर बार' में एक संदिग्ध व्यक्ति गैर-कानूनी रूप से गावठी कट्टे के साथ बैठा है. सूचना मिलते ही विट्ठलवाड़ी पुलिस स्टेशन के सीनियर पुलिस इंस्पेक्टर अशोक कोली और पुलिस इंस्पेक्टर (क्राइम) चंद्रहर गोडसे के नेतृत्व में DB टीम तुरंत मौके पर पहुंची. पुलिस ने इलाके में जाल बिछाया और बड़ी सावधानी से शाम 6:45 बजे संदिग्ध आरोपी को गिरफ्तार कर लिया. पुलिस ने दो पंचायतों की मौजूदगी में जब उसकी तलाशी ली, तो पुलिस को उसके पास एक बैग में गावठी कट्टा और 2 जिंदा कारतूस मिले.

विट्ठलवाड़ी पुलिस ने गावठी कट्टा और जिंदा कारतूस जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया. गिरफ्तार आरोपी एक आम अपराधी ढमडेरे है और उसके खिलाफ सेंट्रल पुलिस स्टेशन में गंभीर शारीरिक नुकसान पहुंचाने का मामला दर्ज किया गया है. विट्ठलवाड़ी पुलिस ने इस संबंध में मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है.

अंबरनाथ में महिला ने वाहनों को लगाई आग

■ वैगनार, टाटा नेक्सन कार, एक्टिवा समेत 5 वाहन जले
■ अंबरनाथ ईस्ट के एक हाउसिंग कॉम्प्लेक्स की घटना
■ पार्किंग को लेकर हुआ था झगड़ा

अंबरनाथ. अंबरनाथ ईस्ट के एक हाउसिंग कॉम्प्लेक्स में एक महिला पर टू-व्हीलर में आग लगाने का आरोप लगा है, और यह चौंकाने वाली घटना गुरुवार रात हुई जिसमें एक-दो नहीं बल्कि कुल पांच गाड़ियां जलकर राख हो गईं. इस मामले में शिवाजीनगर पुलिस स्टेशन में देर रात तक केस दर्ज करने की प्रक्रिया चल रही थी.मिली जानकारी के मुताबिक,

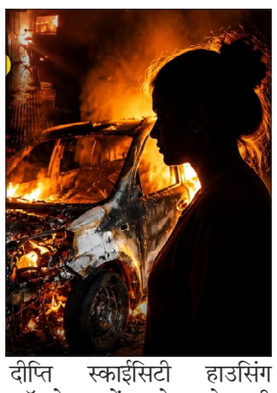

दीप्ति स्काईसिटी हाउसिंग कॉम्प्लेक्स में रहने वाले सनी रामसिंघानी का उसी नीलगिरी बिल्डिंग में रहने वाली एक महिला से टू-व्हीलर की पार्किंग को लेकर झगड़ा हो गया था. आरोप है कि इसी झगड़े के चलते गुरुवार रात करीब 2 बजे महिला ने रामसिंघानी के टू-व्हीलर में आग लगा दी. टू-व्हीलर में लगी आग कुछ ही देर में भड़क गई और पास में खड़ी दूसरी गाड़ियों में भी आग लग गई. इसमें हर्षद पिंगले की वैगनर कार और एक टू-व्हीलर के साथ-साथ अर्जुन पांडे की टाटा नेक्सन कार और एक्टिवा टू-व्हीलर समेत कुल पांच गाड़ियां जलकर राख हो गईं. सभी गाड़ियां जलकर राख हो गईं, जिससे गाड़ी मालिकों को लाखों रुपये का नुकसान हुआ. घटना के बाद, जब शिकायत करने वालों ने हाउसिंग कॉम्प्लेक्स का CCTV फुटेज चेक किया, तो उसमें बताया गया कि एक महिला मौके पर संदिग्ध हरकतें करती दिखी थी. इस फुटेज के आधार पर पुलिस आगे की जांच कर रही है. शिवाजीनगर पुलिस मामले की आगे जांच कर रही है.

रीलस्टार प्रेम भाटी की दुर्घटना में मौत

■ मोहना इलाके में देर रात हुई दुर्घटना
■ खडी रेती में गाड़ी फिसली
■ मनपा प्रशासन है जिम्मेदार

कल्याण. जाने-माने रीलस्टर प्रेम भाटी की कल्याण में एक दुर्घटना में मौत हो गई है. यह दुर्घटना शनिवार देर रात करीब 3 बजे हुई जब वह मोहना इलाके में अपने घर जा रहे थे. सड़क पर खडी रेती होने के कारण उनकी गाड़ी फिसल गई और वह नीचे गिर गए और इस दुर्घटना में उनके सिर में गंभीर चोटें आईं जिस कारण उनकी मौत हो गई ऐसा आरोप रिक्शा एसोसिएशन के अध्यक्ष शिवाजी पाटिल ने लगाया है और कहा है कि उनकी मौत के जिम्मेदार मनपा अधिकारी है उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग भी की है. इस घटना से कल्याण इलाके में हंगामा मच गया है. दुर्घटना की आगे की जांच चल रही है.

मुख्याधिकारी ने सुबह 6 बजे स्वास्थ्य विभाग का किया दौरा

■ कई कर्मचारी गैरहाजिर
■ कारण बताओ नोटिस जारी
■ नपा कर्मचारियों में मचा हड़कम्प

अंबरनाथ. अंबरनाथ के मुख्याधिकारी उमाकांत गायकवाड़ ने शुक्रवार सुबह 6 बजे अचानक स्वच्छता एवं स्वास्थ्य विभाग के हाजरी शेड का दौरा करके निरीक्षण किया तो वह ये देखकर दंग रह गए कि कई कर्मचारी, मुकादम काम पर नहीं है. उन्होंने तुरंत अधिकारियों से कहा कि सफाई काम में लापरवाही बरतने वाले कर्मचारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया जाए. उन्हें शहर में स्वच्छता के बाबत शिकायतें प्राप्त हो रही थी. उनके द्वारा हजेरी शेड पर अचानक जांच निरीक्षण से स्वास्थ्य विभाग में खलबली मच गई है. उन्होंने बाद में कहा कि कर्मचारियों की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी. उन्होंने मजदूरों की उपस्थिति की जांच की तो पता चला कि कुछ कर्मचारी बिना अनुमति अनुपस्थित थे. उन पर तत्काल प्रशासकीय कार्रवाई करने के आदेश मुख्याधिकारी ने जारी किए हैं. इसके बाद वह शहर के विविध विभागों में शुरू नाले सफाई व रास्ते सफाई कामों को स्वतः जाकर देखा. इस निरीक्षण में उन्होंने देखा कि लापरवाही की हद हो गई है. उन्होंने संबंधित अधिकारी व कर्मचारियों को जगह पर ही नोटिस दिया है. इस अचानक दौरे के बाद सभी स्वास्थ्य कर्मचारी, अधिकारी एकदम सतर्क हो गए हैं. स्वास्थ्य विभाग के बारे में ये ज्यादा शिकायतें हैं कि सुबह में हाजरी शेड पर कर्मचारी हाजरी लगाकर शहर में स्वच्छता ड्यूटी करने की बजाय घर जाकर सो जाते हैं और वेतन बराबर लेते हैं.

मुख्याधिकारी उमाकांत गायकवाड से ये भी कहा गया है कि वह सुबह में नपा कार्यालय के गेट पर आकर देखें कि कितने कर्मचारी, अधिकारी समय पर ड्यूटी पर नहीं आते हैं.

पटेल बिल्डर से रंगदारी मांगने का आरोप

■ बदलापुर, अंबरनाथ बिल्डर एसोसिएशन ने पुलिस को दिया पत्र
■ अनशनकारी पर कार्रवाई करने की मांग

अंबरनाथ. अंबरनाथ पश्चिम स्टेशन रोड, नपा कार्यालय के समक्ष शहर के प्रख्यात पटेल बिल्डर द्वारा इमारत का पुनर्निर्माण का कार्य शुरू है. उनके विरुद्ध पैंथर्स सेना के संजय प्रसाद ने तहसील एवं नपा कार्यालय में लिखित शिकायत करके तहसील कार्यालय के समक्ष अनशन पर बैठ गए हैं. बदलापुर, अंबरनाथ बिल्डर एसोसिएशन ने अनशनकारियों के खिलाफ और अपना खुलासा देने के लिए एक पत्रकार परिषद का आयोजन करके आरोप लगाया है कि अनशनकारी का इस प्रकल्प से कोई लेना-देना नहीं है. केवल हफ्ता वसूली के लिए अनशन किया जा रहा है. पटेल बिल्डर्स के अंकित पटेल ने अपने खुलासे में कहा है कि उन्होंने नियमानुसार सभी सरकारी अनुमति लेकर निर्माण कार्य शुरू किया है. उनसे 25 लाख रुपयों की रंगदारी मांगी गई है. वह उनके आगे झुकेंगे नहीं. उनके खिलाफ पुलिस में शिकायत करके उन पर डिफर्मेशन का केस वह दाखिल करेंगे. एसोसिएशन के अध्यक्ष संजय जाधव, सचिव ज्ञानधर मिश्रा ने बताया कि पैंथर सेना के संजय प्रसाद ने गैरजरूरी शिकायत की है. उनकी शिकायत में दम नहीं है. फुटपाथ, गटर, रास्ते का खोदकाम करके संपत्ति का नुकसान करके रॉयल्टी चोरी का बेबुनियाद आरोप लगाया गया है. उनकी शिकायत पब्लिक इंटरेस्ट में नहीं है. केवल ब्लैकमेल करना अनशनकारी का मकसद है. उस पर 25 लाख रुपए रंगदारी मांगने का आरोप बिल्डर एसोसिएशन ने लगाया है.

बिल्डर एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने सहायक पुलिस आयुक्त से की मुलाकात....

पुलिस उपायुक्त, सहायक पुलिस आयुक्त एवं अंबरनाथ पुलिस स्टेशन को एक पत्र देकर अनशनकारी पर तुरंत कार्रवाई की मांग करते हुए उसे अनशन से उठाने की मांग की गई है. बदलापुर, अंबरनाथ बिल्डर एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने सहायक पुलिस आयुक्त से भेंट भी की है. पत्रकार परिषद में राजन विस्पुते, नवीन बंसल, डोंगरे आदि उपस्थित थे.

6 दिन की नवजात बच्ची मिलने से हड़कंप

कल्याण. कल्याण ईस्ट के कोलसेवाड़ी इलाके के चिकनीपाड़ा में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है. कचरे के ढेर में एक बैग में छह दिन की नवजात बच्ची मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया.

इलाके की रहने वाली पूजा लावेकर एक स्कूल में काम करती हैं. गुरुवार सुबह जब वह कचरा फेंकने गईं, तो उन्होंने कचरे के ढेर के पास रखे एक बैग में बच्ची को हिलते-डुलते देखा. जब उन्होंने पास जाकर देखा, तो उन्हें नवजात बच्ची मिली.

चौंकाने वाली बात यह है कि कुछ आवारा कुत्ते बच्ची के आसपास घूम रहे थे. खतरे को भांपते हुए पूजा लावेकर ने तुरंत बच्ची को सुरक्षित जगह पर पहुंचाया और पुलिस को सूचना दी. इसके बाद नवजात को इलाज के लिए कल्याण-डोंबिवली रुक्मिणीबाई ले जाया गया.

डॉक्टरों द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, बच्ची की हालत फिलहाल स्थिर है और उसे अगले कुछ दिनों तक मेडिकल निगरानी में रखा जाएगा. इस संबंध में कोलसेवाड़ी पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है और पुलिस उन लोगों की तलाश कर रही है जिन्होंने इतनी छोटी मासूम जान को कचरे में फेंका. इस घटना से हर जगह हंगामा हो रहा है और नवजात बच्ची के भविष्य को लेकर चिंता जताई जा रही है.

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास संपादकीय

जादू-टोने के भ्रम वाली हिंसा

जिस दौर में देश की अर्थव्यवस्था की चमकती तस्वीर दुनिया के सामने पेश की जा रही हो, उसी बीच आए दिन जब महज अंधविश्वास की वजह से निर्दोष लोगों की हत्या की घटनाएं भी हो रही हों, तो यह अपने आप में विकास की मौजूदा परिभाषा पर एक सवालिया निशान है.

कुछ दिन पहले ओड़िशा के संबलपुर जिले में साठ साल की एक महिला और उसकी बेटी की सिर्फ इसलिए कुल्हाड़ी से हत्या कर दी गई कि उन पर कुछ लोगों को जादू-टोना करने का संदेह था. यह कोई पहली या अकेली घटना नहीं है, जिसमें सिर्फ अंधविश्वास के कारण निर्दोष महिलाओं की हत्या कर दी गई.

झारखंड और ओड़िशा सहित देश के अन्य इलाकों से भी डायन या जादू-टोना के अंधविश्वास की वजह से आदिवासी या कमजोर तबकों की महिलाओं को यातना देने से लेकर उनकी हत्या कर देने की घटनाएं सामने आती रहती हैं. सरकारें मौजूदा कानूनी प्रक्रिया के तहत हत्या के आरोपी के खिलाफ कार्रवाई करती हैं, लेकिन उसका असर इतना नगण्य है कि कुछ दिनों बाद फिर डायन या जादू-टोना के नाम पर हत्या की कोई अन्य घटना सामने आ जाती है.

यह सोचने की जरूरत है कि विकास के दावों के बीच अंधविश्वास की जड़ें इतनी गहरी क्यों हैं. विकास की चकाचौंध के पीछे भारतीय समाज की इस स्याह तस्वीर को हम क्यों नहीं देख पा रहे हैं. एक तरफ हम आधुनिकता के दंभ में जीते हैं, तो दूसरी तरफ समाज का एक वर्ग ऐसा भी है, जिसमें मनुष्यता का बोध नहीं.

वह बेगुनाह लोगों की हत्या होते देखता है. दूसरी ओर, यह समझना मुश्किल है कि देश के दूरदराज इलाकों में सरकारें आधुनिक तकनीकी संसाधन और सुविधाएं पहुंचाने में कोई कोताही नहीं करतीं, लेकिन लोगों के बीच ऐसी सामान्य चेतना और समझ का विस्तार नहीं कर पातीं कि जादू-टोना और डायन जैसी धारणाएं महज अंधविश्वास हैं और यह किसी भी समाज के पिछड़े रह जाने के सबसे बड़े कारकों में से एक हैं.

विडंबना यह है कि ऐसी घटनाओं को सामान्य आपराधिक घटनाओं की तरह देखा जाता है और उसके पीछे सामाजिक जड़ता और मनोवैज्ञानिक जटिलताओं को समझने और उसी मुताबिक उसका दूरगामी हल निकालने की कोशिश नहीं की जाती.

विमर्श

बिखर रही क्षेत्रीय दलों की राजनीति

बंगाल में सत्ता से दूर होते ही ममता बनर्जी का साथ छोड़ने की उनके सहयोगियों में होड़ लग गई है. चार मई को बंगाल विधानसभा चुनाव नतीजे आने से पहले अजेय समझी जाती रहीं ममता बनर्जी की पार्टी के लगभग 20 लोकसभा सदस्य बगावत करने के लिए तैयार हैं. उनके राज्यसभा सदस्य भी एक-एक कर पार्टी छोड़ रहे हैं. उनके 58 विधायक पहले ही बागी हो चुके हैं. चुनावी हार के बाद यह बिखराव कोई पहला नहीं है. तमिलनाडु के विधानसभा चुनावों के बाद अन्नाद्रमुक को भी बिखराव का सामना करना पड़ रहा है. हालांकि पार्टी नेता पलानीस्वामी हालात पर नियंत्रण पाने में कामयाब होते दिख रहे हैं. पार्टी ह्विप का उल्लंघन करके विधानसभा में मुख्यमंत्री विजय का साथ दे चुके 25 में से उनके 21 विधायक नेतृत्व के प्रति आस्था जता चुके हैं. इसके ठीक पहले अरविंद केजरीवाल के सबसे नजदीकी सहयोगी माने जाते रहे राघव चड्ढा की अगुआई में आम आदमी पार्टी के दस में से सात राज्यसभा सदस्यों ने अलग गुट बना लिया. महाराष्ट्र की दो प्रमुख पार्टियां शिवसेना और राकांपा भी ऐसे ही हालात से दो-चार हो चुकी हैं. दोनों ही पार्टियों के बागी अब असली पार्टी बन चुके हैं और पार्टी का अधिकृत चुनाव निशान भी उन्हीं के पास है. शिवसेना संस्थापक बाला साहब ठाकरे के बेटे उद्धव और राकांपा के संस्थापक शरद पवार के पास अपने-अपने दलों की सिर्फ बी टीमें रह गई हैं.

बिखराव वाले दलों में एक समानता है. सभी दल एक तरह से

पारिवारिक पार्टी हैं. जब तक इन पार्टियों के साथ जनसमर्थन और सत्ता रही, इनके पारिवारिक मुखिया की हर बात स्वीकार्य रही, लेकिन सत्ता हाथ से जाते ही जिस तरह बिखराव बढ़ा है, उससे साफ है कि बागी दिल से दलीय अनुशासन या नेतृत्व के प्रति निष्ठा से नहीं बंधे थे. ममता बनर्जी के दल में जारी बड़ी बगावत के पीछे भाजपा का हाथ बताया जा रहा है, लेकिन इस आरोप के शोर में ममता के कार्यों और उनकी पार्टी चलाने की शैली को नहीं भुलाया जा सकता. पार्टी नेता मानते हैं कि ममता अधिनायकवादी ढंग से पार्टी चलाती रहीं. इसके खिलाफ उनकी पार्टी में असंतोष पहले से ही था. एक तरह से अंदर ही अंदर तूफान चल रहा था. अगर पार्टी सत्ता में लौट आई होती तो सरकारी ताकत की गोंद और नेताओं की कुछ पा लेने की उम्मीद के चलते यह तूफान थम जाता, लेकिन पार्टी चौथी बार सत्ता में नहीं लौट पाई. लिहाजा अंदर पनप रहा विद्रोह सतह पर आ गया.

इस आग में चुनावी हार के बाद हुई पहली बैठक में अभिषेक बनर्जी की मनमानी ने घी का काम किया. पार्टी के जीत की स्थिति में अभिषेक की बात मानने का फरमान स्वीकार हो जाता, लेकिन तृणमूल कार्यकर्ता अपनी हार के लिए अभिषेक की कार्यशैली को ही जिम्मेदार मानते हैं. लिहाजा उन्हें अभिषेक की सरपरस्ती मंजूर नहीं हुई. कार्यकर्ताओं को यह मलाल रहा कि तृणमूल बनाने वाले पिछड़ते गए और ममता के भतीजे अभिषेक बनर्जी ताकतवर होते गए. कुछ ऐसे ही हालात राकांपा में भी रहे. शरद पवार ने पार्टी की स्थापना की, उसमें उनका साथ उनके भतीजे अजीत पवार ने दिया. अजीत शरद पवार के स्वाभाविक उत्तराधिकारी माने जाते थे, लेकिन सुप्रिया सुले के आने के बाद उन्हें लगा कि जिस पार्टी को उन्होंने सींचा है, उसकी कमान उनके हाथ आने से रही तो उन्हें भी बगावत की राह सूझी. शिवसेना की स्थिति थोड़ी अलग रही.

शिवसेना की पूरी राजनीति कट्टर हिंदुत्व के इर्द-गिर्द रहते हुए कांग्रेस विरोध पर टिकी थी, लेकिन उद्धव ठाकरे ने जिद में भाजपा को नीचा दिखाने के लिए कांग्रेस का हाथ थाम लिया. शिवसेना के कार्यकर्ताओं के सामने वैचारिक संकट खड़ा हो गया. जैसे ही सत्ता शिवसेना के हाथ से फिसली, पार्टी दोफाड़ हो गई. रही बात आम आदमी पार्टी की तो आंदोलन से निकली इस पार्टी ने पहले वैचारिकता प्रतिबद्धता का आदर्शवादी माडल प्रस्तुत करने का दावा किया, लेकिन बाद में वहां एकाधिकारवाद बढ़ता गया. अन्नाद्रमुक में विद्रोह की बड़ी वजह सत्ता से बढ़ती दूरी से उपजी निराशा रही.

जिस प्रकार एक मछली सागर के बिना नहीं जी सकती, उसी प्रकार आत्मा भी परमात्मा के बिना नहीं जी सकती।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

अंतरराष्ट्रीय कानूनों की अनदेखी

पश्चिम एशिया में ईरान के खिलाफ अमेरिका-इजराइल के युद्ध की आग की चपेट में अब वैसे देश और लोग भी आने शुरू हो चुके हैं, जो पूरी तरह तटस्थ हैं और वे सिर्फ जरूरी आपूर्ति सुनिश्चित करने की उम्मीद में उस क्षेत्र में मौजूद हैं.

कायदे से आम लोगों की जरूरतों के मद्देनजर अपनी ड्यूटी करने वाले अन्य देशों के लोगों को किसी भी पक्ष की ओर से निशाना नहीं बनाया जाना चाहिए, लेकिन हाल में अमेरिका ने इस मामले में जिस स्तर की लापरवाही और मनमानी दिखाई है, उससे यही लगता है कि उसे सामान्य स्थिति के बहाल होने की कोई फिक्र नहीं है.

वरना क्या वजह है कि पिछले तीन-चार दिनों के भीतर उसने उस क्षेत्र में मौजूद तीन भारतीय जहाजों को निशाना बनाया. उसे यह समझना क्यों जरूरी नहीं लगा कि वह जिन जहाजों पर हमला कर रहा है, वे वाणिज्यिक हैं और किसी भी रूप में इस युद्ध का हिस्सा नहीं हैं?

गौरतलब है कि ओमान तट के पास एक वाणिज्यिक जहाज 'सेट्टेबेलो' पर अमेरिका की ओर से किए गए एक हमले में तीन भारतीय नाविकों की जान चली गई. जहाज पर चौबीस लोग सवार थे, जिनमें से इक्कीस को किसी तरह बचा लिया गया. इससे पहले सोमवार को मारिवेक्स नाम के तेल टैंकर पर भी

हमला किया गया था, जिसके बाद भारतीय नाविकों ने मदद के लिए आपात संदेश भेजा था.

अब गुरुवार को ओमान के शिनास बंदरगाह के पास एक वाणिज्यिक जहाज एमटी जलवीर पर भी हमला किया गया. हालांकि इन दोनों घटनाओं में सभी नाविकों को बचा लिया गया. सवाल है कि अमेरिका के लिए यह समझना मुश्किल क्यों हो रहा है कि ईरान के साथ जारी उसके युद्ध के क्रम में अगर तटस्थ देशों के वाणिज्यिक जहाजों को निशाना बनाया जाता है, तो अन्य मोर्चों पर कैसी जटिल स्थिति खड़ी हो सकती है.

दुनिया के कई देश पहले ही गंभीर ऊर्जा संकट का सामना कर रहे हैं. जिन वाणिज्यिक जहाजों पर हमला किया गया, वे किसी भी रूप में युद्ध का हिस्सा नहीं थे. मगर बिना किसी मजबूत आधार या उकसावे के अमेरिका ने हमला किया. शायद उसे अब यह सोचने की जरूरत है कि उसके रवैये और जिद का हासिल क्या सामने आ रहा है.

यह बेवजह नहीं है कि भारत ने हमले और उसमें नाविकों के मारे जाने पर अमेरिकी दूतावास के प्रभारी अधिकारी को तलब कर अपनी तीखी आपत्ति दर्ज की. विदेश मंत्रालय ने मध्य-पूर्व में संवेदनशील सुरक्षा हालात पर गहरी चिंता जाहिर करते हुए समुद्र में वाणिज्यिक जहाजों पर हमले को भू-राजनीतिक शत्रुता का नतीजा बताया.

एक ओर ईरान ने होर्मुज जलमार्ग को बाधित किया हुआ है, तो दूसरी ओर अमेरिका ने उस समूचे इलाके में नाकेबंदी कर रखी है. आखिर क्या वजह है कि भारत या किसी देश के वाणिज्यिक जहाजों और नागरिक बुनियादी ढांचों को निशाना बनाने में भी उसे कोई हिचक नहीं हो रही है?

होर्मुज या अन्य समुद्री मार्गों पर निर्बाध आवाजाही बहाल किया जाना इसलिए भी जरूरी है कि सिर्फ उसकी वजह से दुनिया के कई देशों में ऊर्जा और तेल की आपूर्ति बुरी तरह बाधित है और इसका विपरीत असर बड़े दायरे में जनजीवन पर पड़ रहा है.

विडंबना यह है कि जहां युद्ध के बावजूद वाणिज्यिक जहाजों के लिए सुरक्षित रास्ता तैयार किया जाना चाहिए था, वहीं बिना किसी आधार के इन जहाजों पर हमले किए जा रहे हैं. सवाल है कि वर्चस्व की जंग के बीच अमेरिका की नजर में क्या अंतरराष्ट्रीय कानूनों की कोई अहमियत रह गई है?

जहां गली-गली बिकता है गांजा, नहीं पकड़ती पुलिस

जरा हट के

अगर कोई देश हो जहां गांजा खरीदना-बेचना पूरी तरह कानूनी हो, पुलिस आपको नहीं पकड़े बल्कि सरकार खुद दुकानें चलाए, समलिंगी शादी हो, एबॉर्शन हो और भ्रष्टाचार नाम की कोई चीज ना हो तो आप किस देश की कल्पना करेंगे? यह कोई काल्पनिक जगह नहीं बल्कि दक्षिण अमेरिका का छोटा सा देश Uruguay है, जिसे दुनिया का सबसे शांत और प्रगतिशील देश कहा जाता है.

गांजा लीगल कैसे हुआ?

वर्ष 2013 में उरुग्वे दुनिया का पहला देश बना जिसने पूरे देश में गांजा पूरी तरह कानूनी बना दिया. यहां गांजा ना सिर्फ लीगल है बल्कि फार्मेसी और लाइसेंस्ड दुकानों पर खुलेआम बिकता है. सरकार खुद इसकी खेती, उत्पादन और बिक्री नियंत्रित करती है. इसका मकसद था- अवैध माफिया और ड्रग कार्टल को खत्म

करना और टैक्स के रूप में सरकार को राजस्व देना. आज Uruguay में 18 साल से ऊपर का कोई भी व्यक्ति कानूनी रूप से गांजा खरीद, रख और इस्तेमाल कर सकता है. पर्यटक भी सीमित मात्रा में ले सकते हैं. पुलिस नशे की जांच नहीं करती बल्कि ट्रैफिक नियमों पर ध्यान देती है. उरुग्वे में लगभग 34 लाख इंसान रहते हैं जबकि गायों की संख्या 1.2 करोड़ से ज्यादा है. यानी हर इंसान पर औसतन 3-4 गायें हैं. यहां मांस निर्यात बहुत बड़ा उद्योग है. बीफ की गुणवत्ता इतनी अच्छी है कि दुनिया भर में मशहूर है. उरुग्वे कई सामाजिक मुद्दों पर बहुत आगे है. यहां सेम सेक्स मैरिज 2013 में ही लीगल कर दिया गया था. इसके अलावा 2012 से महिलाओं को पहली 12 हफ्तों तक एबॉर्शन का अधिकार है. इस देश में भ्रष्टाचार ना के बराबर है. उरुग्वे लैटिन अमेरिका का सबसे कम भ्रष्टाचार वाला देश है. यहां राजनेता और अधिकारी काफी ईमानदार माने जाते हैं. वहीं संसद में महिलाओं की अच्छी भागीदारी है.

पनीर दो प्याजा

खाना-खजाना

सामग्री:

- पनीर- 250 ग्राम
- प्याज- 3 बड़े
- टमाटर- 2 बड़े
- अदरक-लहसुन का पेस्ट- 1 बड़ा चम्मच
- हरी मिर्च- 2
- दही- 3 चम्मच
- 1 तेजपत्ता, 1 छोटा टुकड़ा दालचीनी, 2 हरी इलायची
- 1/2 छोटा चम्मच जीरा
- 1/2 छोटा चम्मच हल्दी
- 1 छोटा चम्मच कश्मीरी लाल मिर्च पाउडर
- 1 छोटा चम्मच धनिया पाउडर
- 1/2 छोटा चम्मच गरम मसाला
- कसूरी मेथी- 1 छोटा चम्मच
- तेल/घी- 3 बड़े चम्मच
- हरा धनिया- बारीक कटा हुआ
- नमक- स्वादानुसार

विधि:

सबसे पहले एक कढ़ाई में एक चम्मच तेल या घी गरम करें. इसमें बड़े चौकोर कटे हुए प्याज और हरी मिर्च डालकर तेज आंच पर 2 मिनट के लिए भूनें. अब इसमें पनीर के टुकड़े और एक चुटकी हल्दी-लाल मिर्च डालें. इन्हें एक मिनट टॉस करें और फिर एक प्लेट में निकाल कर अलग रख लें. उसी कढ़ाई में बचा हुआ तेल या घी डालें. गरम होने पर जीरा,

तेजपत्ता, दालचीनी और इलायची डालें. जब मसाले चटकने लगें, तो बारीक कटा हुआ प्याज डालें. प्याज को तब तक भूनें जब तक वह गोल्डन ब्राउन न हो जाए. अब इसमें अदरक-लहसुन का पेस्ट डालें और एक मिनट तक भूनें. इसके बाद टमाटर की प्यूरी, हल्दी, धनिया पाउडर, कश्मीरी लाल मिर्च और नमक डालें. मसाले को तब तक मध्यम आंच पर पकाएं जब तक कि वह तेल न छोड़ने लगे. अब आंच को बिल्कुल धीमा कर दें या गैस बंद कर दें. अब इसमें फेंटा हुआ दही डालें और लगातार चलाते रहें ताकि दही फटे नहीं. दही मिक्स होने के बाद आंच तेज करें और मसाले को 2 मिनट और पकाएं. अब ग्रेवी में आधा कप गुनगुना पानी डालें और उबाल आने दें. जब ग्रेवी उबलने लगे, तो इसमें पहले से सॉटे करके रखे हुए पनीर और चौकोर प्याज के टुकड़े डाल दें. सब्जी को ढककर धीमी आंच पर 4-5 मिनट के लिए पकने दें, ताकि पनीर सारे मसालों को सोख ले. लास्ट में गरम मसाला और कसूरी मेथी हाथों से रगड़कर डालें. ऊपर से बारीक कटा हरा धनिया डालकर गैस बंद कर दें.

चेहरे की उड़ गई है रौनक और झड़ रहे हैं बाल?

तुरंत चेक करें विटामिन-बी12 की कमी के ये छिपे हुए संकेत

- हम में से कई लोग थकान, भूलने की आदत या मूड स्विंग्स को स्ट्रेस या उम्र का असर मान लेते हैं, जबकि इसके पीछे विटामिन-बी12 की कमी छिपी हो सकती है.
- यह विटामिन शरीर की एनर्जी, दिमागी सेहत और त्वचा की जवां चमक बनाए रखने में अहम भूमिका निभाता है. इसकी कमी धीरे-धीरे शरीर को अंदर से कमजोर करती है और यह दिखने में साधारण लक्षणों से शुरू होती है, लेकिन इसके प्रभाव गहरे होते हैं. आइए जानते हैं इन लक्षणों के बारे में.

विटामिन-बी12 की कमी के लक्षण

लगातार थकान और कमजोरी- अगर आप पूरी नींद लेने के बावजूद हमेशा थकान महसूस करते हैं, तो यह विटामिन-बी12 की कमी का संकेत हो सकता है. यह विटामिन रेड ब्लड सेल्स बनाने में मदद करता है, जो शरीर में ऑक्सीजन पहुंचाती हैं. कमी होने पर ऑक्सीजन की आपूर्ति घट जाती है और शरीर सुस्त पड़ने लगता है.

मूड स्विंग्स और डिप्रेशन के संकेत- विटामिन-बी12 सेरोटोनिन बनाने में मदद करते हैं, जो मूड को कंट्रोल करता है. इसकी कमी से मूड अस्थिर हो जाता है, व्यक्ति चिड़चिड़ा या डिप्रेस्ड

महसूस करने लगता है. कई बार बिना किसी कारण के दुख, बेचैनी या निराशा महसूस होना इसका छिपा हुआ लक्षण है.

याददाश्त कमजोर होना- अगर आप हाल की बातें भूलने लगे हैं या काम पर फोकस नहीं कर पा रहे, तो यह केवल स्ट्रेस नहीं बल्कि-बी12 की कमी भी हो सकती है. यह विटामिन दिमाग के न्यूरॉन्स को स्वस्थ रखता है, जिसकी कमी से ब्रेन फंक्शन प्रभावित होता है.

त्वचा और बालों पर असर- विटामिन-बी12 की कमी से स्किन पीली या फीकी पड़ जाती है, होठों पर पपड़ी जमने लगती है और बाल झड़ने लगते हैं. ये लक्षण उम्र बढ़ने जैसे लगते हैं, पर असल में यह विटामिन की कमी के संकेत हैं जो समय से पहले बुढ़ापा लाने का काम करते हैं.

झनझनाहट और सुन्नपन- हाथ-पैरों में झनझनाहट, जलन या सुन्नपन महसूस होना विटामिन-बी12 की कमी का एक गंभीर लक्षण है. यह कमी नसों को प्रभावित करती है और धीरे-धीरे न्यूरोलॉजिकल समस्याओं का कारण बन सकती है.

सांस फूलना और चक्कर आना- यह लक्षण इसलिए नजर आते हैं, क्योंकि ब्लड में ऑक्सीजन की मात्रा घट जाती है. इससे दिल को ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है और शरीर थकावट या हल्के सिरदर्द जैसा महसूस करता है.

जीभ में सूजन और मुंह के छाले- विटामिन-बी12 की कमी से जीभ पर सूजन, दर्द और छाले बनने लगते हैं. यह शरीर का एक शुरूआती संकेत है कि आपके शरीर को पूरा पोषण नहीं मिल रहा है.

कैसे करें इसकी कमी दूर?

विटामिन-बी12 मुख्य रूप से एनिमल बेस्ड फूड प्रोडक्ट्स, जैसे- दूध, अंडे, दही, पनीर, मछली और चिकन में पाया जाता है. वेजिटेरियन लोगों को डॉक्टर की सलाह से सप्लीमेंट लेना चाहिए. इसके अलावा, फोर्टिफाइड सीरियल्स और सोया मिल्क जैसे ऑप्शन भी मददगार साबित हो सकते हैं.

आज का राशिफल

मेष : आजीविका में नवीन प्रस्ताव मिलेगा. दांपत्य जीवन सुखद रहेगा. मेहनत का फल मिलेगा. घर-बाहर पूछ-परख रहेगी. थकान रहेगी. धन प्राप्ति सुगम होगी. प्रसन्नता रहेगी. भूमि, आवास की समस्या रह सकती है. संतान से कष्ट रहेगा.

वृषभ : मान बढ़ेगा. व्यवसाय ठीक चलेगा. भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी. उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी. अपनी बुद्धिमत्ता से आप सही निर्णय लेने में सक्षम होंगे. विकास की योजनाएं बनेंगी. निजीजनों में असंतोष हो सकता है. व्यापार में इच्छित लाभ होगा.

मिथुन : यात्रा, निवेश व नौकरी मनोनुकूल रहेंगे. जोखिम न लें. व्यावसायिक चिंता दूर हो सकेगी. स्वयं के सामर्थ्य से ही भाग्योन्नति के अवसर आएंगे. योजनाएं फलीभूत होंगी. भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे. भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी.

कर्क : वस्तुएं संभालकर रखें. स्वास्थ्य पर व्यय होगा. विवाद न करें. यात्रा में अपनी वस्तुओं को संभालकर रखें. कर्म के प्रति पूर्ण समर्पण व उत्साह रखें. अधीनस्थों की ओर ध्यान दें. आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी. वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें.

सिंह : बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे. व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी. आय बढ़ेगी. घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी. अपने व्यसनों पर नियंत्रण रखते हुए कार्य करना चाहिए. व्यापार में कर्मचारियों पर अधिक विश्वास न करें. आर्थिक स्थिति मध्यम रहेगी.

कन्या : यात्रा, निवेश व नौकरी मनोनुकूल रहेंगे. व्यापार में नई योजनाओं पर कार्य नहीं होंगे. जीवनसाथी का ध्यान रखें. नए अनुबंध होंगे. झंझटों में न पड़ें. शत्रु सक्रिय रहेंगे. कार्य की प्रवृत्ति में यथार्थता व व्यावहारिकता का समावेश आवश्यक है.

तुला : वरिष्ठजन सहयोग करेंगे. स्वास्थ्य का ध्यान रखें. बुद्धि एवं तर्क से कार्य में सफलता के योग बनेंगे. यात्रा कष्टप्रद हो सकती है. अतः उसका परित्याग करें. व्यापार लाभप्रद रहेगा. धर्म-कर्म में रुचि बढ़ेगी. राजकीय बाधा दूर होगी.

वृश्चिक : दांपत्य जीवन सुखद रहेगा. सकारात्मक विचारों के कारण प्रगति के योग आएंगे. समय ठीक नहीं है. वाहन, मशीनरी व अग्नि के प्रयोग में सावधानी रखें. लेन-देन में सावधानी रखें. विवाद न करें. कार्यपद्धति में विश्वसनीयता बनाए रखें.

धनु : व्यवसाय ठीक चलेगा. प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी. आर्थिक स्थिति में प्रगति की संभावना है. अचानक धन की प्राप्ति के योग हैं. राजकीय काम बनेंगे. चिंता रहेगी. जोखिम न उठाएं. संतान से मदद मिलेगी. क्रोध एवं उत्तेजना पर संयम रखें.

मकर : प्रसन्नता रहेगी. धनार्जन होगा. समाज में प्रसिद्धि के कारण सम्मान में बढ़ोतरी होगी. आजीविका में नवीन प्रस्ताव मिलेंगे. संपत्ति के कार्य लाभ देंगे. परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता मिलेगी. परिवार की समस्याओं को अनदेखा न करें.

कुंभ : व्यवसाय ठीक चलेगा. कामकाज में धैर्य रखने से सफलता मिल सकेगी. योजनाएं फलीभूत होंगी. किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर मिलेगा. रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे. मित्रों में आपका वर्चस्व बढ़ेगा. स्वास्थ्य की ओर ध्यान दें.

मीन : राजकीय सहयोग मिलेगा एवं इस क्षेत्र के व्यक्तियों से संबंध बढ़ेंगे. विद्यार्थियों को प्रतियोगिता में सफलता मिलेगी. व्यापार अच्छा चलेगा. वाणी पर संयम रखें. दूसरों से अपेक्षा न करें. चिंता तथा तनाव रहेंगे. थकान रहेगी. जोखिम न लें. विवाद से बचें.

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

लगातार थकान क्यों हो सकती है चिंता का कारण?

जानें कारण और दूर करने के उपाय

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में ज्यादातर लोग थकान और सुस्ती को सामान्य मानकर नजरअंदाज कर देते हैं. काम का दबाव, कम नींद या व्यस्त दिनचर्या को इसका कारण समझकर लोग अक्सर इसे गंभीरता से नहीं लेते. लेकिन स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि बार-बार या लंबे समय तक बनी रहने वाली थकान शरीर में किसी छिपी हुई समस्या का संकेत हो सकती है. अगर बिना ज्यादा मेहनत किए भी हर समय कमजोरी या सुस्ती महसूस होती है, तो यह सिर्फ ऊर्जा की कमी नहीं, बल्कि किसी स्वास्थ्य समस्या का शुरुआती लक्षण भी हो सकता है. शरीर का बढ़ता वजन और मोटापा भी ऊर्जा के स्तर को प्रभावित करता है, जिससे व्यक्ति जल्दी थक जाता है और दिनभर आलस्य महसूस करता है.

अनियमित खानपान, पर्याप्त शारीरिक गतिविधि का अभाव, मानसिक तनाव और नींद की कमी

थकान और सुस्ती दूर करने के आसान उपाय

- संतुलित और पौष्टिक आहार का सेवन करें.
- नमक, चीनी और अधिक तेल-घी का सेवन सीमित रखें.
- रोजाना कम से कम 30-45 मिनट पैदल चलें, योग करें या कोई शारीरिक गतिविधि अपनाएं.
- पर्याप्त और अच्छी गुणवत्ता वाली नींद लें.
- तनाव कम करने के लिए मेडिटेशन या रिलैक्सेशन तकनीकों का सहारा लें.

जैसी आदतें लगातार थकान की बड़ी वजह बन सकती हैं. लंबे समय तक इन समस्याओं को नजरअंदाज करने से डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर, फैटी लीवर और हृदय रोग जैसी बीमारियों का खतरा भी बढ़ सकता है.

कब डॉक्टर से सलाह लेना जरूरी है?

यदि कई दिनों या हफ्तों तक थकान बनी रहती है और इसके साथ वजन बढ़ना, सांस फूलना, भूख कम लगना या शरीर में अन्य बदलाव दिखाई दें, तो तुरंत चिकित्सकीय जांच करानी चाहिए. समय पर कारण का पता लगने से गंभीर समस्याओं से बचाव संभव हो सकता है.

गर्मियों में हाइड्रेशन का रखें खास ध्यान

गर्मी के मौसम में शरीर में पानी की कमी भी थकान और कमजोरी का कारण बन सकती है. इसलिए दिनभर पर्याप्त मात्रा में पानी और अन्य स्वास्थ्यवर्धक तरल पदार्थों का सेवन करना जरूरी है, ताकि शरीर हाइड्रेट रहे और ऊर्जा बनी रहे.

छोटी आदतें, बड़ा फायदा

रोजमर्रा की कुछ अच्छी आदतें अपनाकर न केवल थकान और सुस्ती से राहत पाई जा सकती है, बल्कि कई गंभीर बीमारियों के जोखिम को भी कम किया जा सकता है. यदि थकान लगातार बनी रहे, तो इसे नजरअंदाज करने के बजाय समय पर जांच और सही सलाह लेना सबसे बेहतर कदम है.

सोमवती अमावस्या पर बना दुर्लभ संयोग

इस बार की सोमवती अमावस्या ज्येष्ठ अधिकमास के कृष्ण पक्ष की अमावस्या को पड़ रही है. इस दिन स्नान और दान के लिए दुर्लभ संयोग बना है, जो पुण्य प्राप्ति का एक बड़ा अवसर है. इस साल की सोमवती अमावस्या पर आप दुर्लभ संयोग में स्नान और दान करके अपने कष्ट, दुख, पाप आदि का निवारण कर सकते हैं, साथ ही ग्रह दोष भी मिटेंगे. आइए जानते हैं कि सोमवती अमावस्या पर क्या दुर्लभ योग बन रहा है? सोमवती अमावस्या पर किन वस्तुओं का दान करना चाहिए?

सोमवती अमावस्या पर दुर्लभ संयोग

सोमवती अमावस्या 15 जून सोमवार को है. यह दिन स्वयं में पुण्य फलदायी है. इस दिन व्रत रखकर भगवान शिव की पूजा करते हैं और स्नान-दान होता है. इस बार सोमवती अमावस्या के साथ ही मिथुन संक्रांति का दुर्लभ संयोग बना है. सोमवती अमावस्या को सूर्य देव जिस समय वृषभ राशि से निकल कर मिथुन राशि में गोचर करेंगे, उस समय मिथुन संक्रांति होगी.

इसके अलावा यह सोमवती अमावस्या अधिकमास की है, जो 3 साल में एक बार आती है. इसके अधिपति देव भगवान विष्णु हैं, इस वजह से इसे पुरुषोत्तम मास कहा जाता है. पुरुषोत्तम मास में सोमवती अमावस्या का दिन भगवान शिव और भगवान विष्णु की कृपा प्राप्ति का अच्छा अवसर है.

सोमवती अमावस्या के दिन सर्वार्थ सिद्धि योग और अमृत सिद्धि योग भी बन रहे हैं. ये दोनों ही शुभ योग सुबह में 05:23 ए एम से लेकर शाम 07:08 पी एम तक है. सर्वार्थ सिद्धि योग में किए गए कार्य सफल सिद्ध होंगे. इस समय में किया गया स्नान और दान पुर्ण फलित होगा.

सोमवती अमावस्या पर मिथुन संक्रांति समय

सोमवती अमावस्या के दिन सूर्य देव मिथुन राशि में दोपहर 12 बजकर 59 मिनट पर प्रवेश करेंगे, उस समय मिथुन संक्रांति होगी. मिथुन संक्रांति का महा पुण्य काल दोपहर 12:59 पी एम से 03:19 पी एम तक है, वहीं इसका पुण्य काल दोपहर 12:59 पी एम से शाम 07:20 पी एम तक है.

उपरोक्त लेखों में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

हाथ-पैर तोड़े, आंखें फोड़ीं; खेत में मिला व्यापारी का शव, बेटा बोला- पापा का मर्डर हुआ

प्रतापगढ़. प्रतापगढ़ के कुंडा कोतवाली के विदासिन गांव निवासी 55 वर्षीय मन्नेलाल साहू की घर के पास ही जलेबी और नाश्ते की दुकान है. वह गुरुवार सुबह 10 बजे झोला लेकर साइकिल से बाबूगंज बाजार जाने की बात कहकर निकला. शाम तक वापस नहीं लौटा. मोबाइल भी बंद मिला तो परिजन खोजबीन करने लगे. शुक्रवार सुबह पत्नी सुनीता ने कोतवाली पहुंचकर गुमशुदगी का केस दर्ज कराया. शुक्रवार सुबह करीब नौ बजे बिदासिन में ही मतई के कुंआ के पास खेत में उसका शव मिला. उसके हाथ-पैर टूटे थे और आंख फूटी थी. जेब में मोबाइल स्विच ऑफ मिला. एक हजार नकद भी थे और साइकिल नहर की पटरी पर खड़ी थी.

तीन बच्चों के पिता ने जाल में फंसाकर किया युवती का रेप, दोस्तों को बांटी वीडियो

मुरादाबाद. यूपी के मुरादाबाद में सिविल लाइंस थाना क्षेत्र में शादीशुदा तीन बच्चों के बाप में बीस वर्षीय युवती को अपने जाल में फंसा लिया. आरोपी ने उसके साथ दुश्कर्म किया और उसकी अश्लील वीडियो बना ली. बाद में वीडियो वायरल करने की धमकी देकर उसका शोषण करता रहा. पुलिस ने 11 नामजद आरोपियों पर केस दर्ज कर मुख्य आरोपी इरफान को गिरफ्तार कर लिया है. थाना सिविल लाइंस के अगवानपुर चौकी क्षेत्र निवासी महिला ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि गांव भटावली निवासी इरफान का उसके घर जाना-जाना था. वह शादीशुदा है और उसके तीन बच्चे भी हैं. महिला ने आरोप लगाया कि इरफान ने उनकी बेटी को जाल में फंसा लिया और साल 2020 से उसका शोषण कर रहा है. महिला ने पुलिस को बताया कि बीते दिनों उसकी फेटी फोन पर बात कर रही थी तभी उसने पकड़ लिया.

अब आजमगढ़-वाराणसी हाइवे पर हादसा, ट्रेलर से टकराई अर्टिका, चार की मौत

यूपी में गंगा एक्सप्रेसवे के बाद अब आजमगढ़-वाराणसी राष्ट्रीय राजमार्ग पर दर्दनाक हादसा हो गया है. देवगांव कोतवाली क्षेत्र के बरडीहा मोड़ के पास ट्रेलर और अर्टिका कार की आमने-सामने टक्कर में चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया. जानकारी मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया.

जानकारी के मुताबिक हादसा इतना भयावह था कि टक्कर के बाद कार के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार लोग वाहन के अंदर बुरी तरह फंस गए. घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई. स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से सभी घायलों को संयुक्त सौ शैय्या चिकित्सालय लालगंज पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने चार लोगों को मृत घोषित कर दिया. गंभीर रूप से घायल अजमल आलम को प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर रेफर कर दिया गया.

एयरफोर्स का ट्रांसपोर्ट विमान क्रैश, पायलट समेत 5 की मौत

- लैंडिंग के दौरान आग लगी, दो हिस्सों में टूटा
- असम के जोरहाट एयरबेस पर हादसा

जोरहाट. असम में जोरहाट के रौरिया इंडियन एयरबेस पर शनिवार सुबह 10 बजे लैंडिंग के दौरान वायुसेना का विमान क्रैश हो गया. इस हादसे में पायलट समेत 5 जवानों की मौत हो गई. इनमें स्क्वाड्रन लीडर प्रशांत सिंह, फ्लाइट लेफ्टिनेंट शुभम कुमार, सार्जेंट जितेंद्र शर्मा, अग्निवीरवायु खेमाराम कुमावत और अग्निवीरवायु दानिश आलम शामिल हैं. एक को-पायलट घायल हो गया है.

हादसा उस समय हुआ, जब विमान एयरबेस पर उतरने की कोशिश कर रहा था. हादसे के बाद उसमें आग लग गई और दो हिस्से में टूट गया. यह AN-32 मालवाहक विमान था, जिसका इस्तेमाल सैनिकों और सामान की ढुलाई के लिए किया जाता है. हादसे की वजह सामने नहीं आई है. इंडियन एयरफोर्स ने बताया कि विमान रुटीन उड़ान पर था. साथ ही अपील कि शुरुआती नतीजे आने तक कोई अंदाजा न लगाएं. कोर्ट ऑफ इंक्वायरी के आदेश दे दिए हैं.

AN-32 कार्गो प्लेन पहाड़ी और दुर्गम इलाकों में भी उतरने में सक्षम

- भारतीय वायु सेना के पास लगभग 100 एंटोनोव AN-32 टैक्टिकल ट्रांसपोर्ट विमानों का बेड़ा है. हालांकि IAF ने शुरू में सोवियत मूल के ऐसे 125 प्लेन खरीदे थे, लेकिन अब एक्टिव-ड्यूटी प्लेन की संख्या लगभग 100 रह गई है.
- AN-32 ने 1980 से IAF की मीडियम-लिफ्ट ट्रांसपोर्ट क्षमताओं की रीढ़ के तौर पर काम किया है. गर्म मौसम और हिमालय जैसे ऊंचे इलाकों में ऑपरेशन के दौरान इसकी मजबूती के कारण इसे काफी अहम माना जाता है.

मोदी फ्रांस-स्लोवाकिया की 6 दिन की यात्रा पर

- G7 समिट में सबसे ज्यादा 7वीं बार शामिल होने वाले पहले भारतीय पीएम होंगे
- ट्रम्प से मुलाकात संभव

नई दिल्ली. पीएम मोदी 13 से 18 जून तक 6 दिन की फ्रांस और स्लोवाकिया यात्रा पर शनिवार सुबह रवाना हो गए हैं. पीएम बनने के बाद मोदी की यह 7वीं फ्रांस यात्रा है. सबसे 13-14 जून को नीस शहर में राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे. साथ ही 'इंडिया इनोवेट्स' कार्यक्रम का उद्घाटन करेंगे.

इसके बाद स्लोवाकिया रवाना हो जाएंगे. यहां वे 15 जून तक रहेंगे. यहां प्रधानमंत्री रोबर्ट फिको और राष्ट्रपति पीटर पेलेग्रीनी से मुलाकात करेंगे. 1993 में स्लोवाकिया के आजाद देश बनने के बाद किसी भारतीय पीएम का यहां का पहला दौरा है.

मोदी 16 जून को पेरिस लौट आएंगे. यहां एवियन शहर में होने वाले 17 जून को G7 समिट में हिस्सा लेंगे. समिट में वैश्विक अर्थव्यवस्था, अंतरराष्ट्रीय सहयोग, नई साझेदारियों और AI के मुद्दे पर चर्चा होगी. पीएम मोदी की कई वर्ल्ड लीडर्स समेत अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प से मुलाकात हो सकती है.

लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ अगले आर्मी चीफ होंगे

- जनरल उपेंद्र द्विवेदी की जगह लेंगे
- सेठ दो महीने पहले सेना उपप्रमुख बने थे

नई दिल्ली. केंद्र सरकार ने लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ को भारतीय सेना का अगला प्रमुख (चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ) नियुक्त किया है. सेठ अभी उप सेना प्रमुख (वाइस चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ) के पद पर कार्यरत हैं. वे मौजूदा आर्मी चीफ जनरल उपेंद्र द्विवेदी की जगह लेंगे.

जनरल उपेंद्र द्विवेदी का कार्यकाल जून 2026 तक है. उन्होंने 30 जून 2024 को आर्मी चीफ का पद संभाला था. आर्मी चीफ का कार्यकाल 3 साल या 62 साल की उम्र (दोनों में जो भी पहले पूरा हो) तक होता है.

करीब 40 साल का सैन्य अनुभव, कई अहम कमानों का नेतृत्व किया

दिसंबर 1986 में आर्मर्ड कोर में कमीशन हालिस करने वाले धीरज सेठ को करीब 40 साल का

सैन्य अनुभव है. उन्होंने रेगिस्तान, जम्मू-कश्मीर और पश्चिमी मोर्चे सहित कई संवेदनशील क्षेत्रों में कमान संभाली है.

धीरज सेठ दक्षिण-पश्चिमी कमान और दक्षिणी कमान के जीओसी-इन-सी भी रह चुके हैं. वे पश्चिमी मोर्चे पर दो ऑपरेशनल कमानों का नेतृत्व करने वाले चुनिंदा अधिकारियों में शामिल हैं. उन्होंने संयुक्त राष्ट्र मिशन (अंगोला), सेना मुख्यालय और क्षमता विकास से जुड़े कई अहम पदों पर भी काम किया है.

जूनियर कमांड कोर्स में टॉपर, कई सम्मान हासिल किए

वे नेशनल डिफेंस एकेडमी (NDA) खड़कवासला, इंडियन मिलिट्री एकेडमी (IMA), DSSC वेलिंगटन और नेशनल डिफेंस कॉलेज के पूर्व छात्र हैं. वे जूनियर कमांड कोर्स में फर्स्ट रैंक और DSSC में बेस्ट ऑल राउंड स्टूडेंट ऑफिसर मेडल हासिल कर चुके हैं.

उन्हें उनकी विशिष्ट सेवाओं के लिए परम विशिष्ट सेवा मेडल (PVSM), उत्तम युद्ध सेवा मेडल (UYSM) और अति विशिष्ट सेवा मेडल (AVSM) से सम्मानित किया जा चुका है.

ओपी राजभर की ओवैसी को नसीहत

लखनऊ. एमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी अब यूपी आने वाले हैं। लेकिन ओवैसी के दौरे से पहले एमआईएम के प्रदेश अध्यक्ष शौकत अली के एक बयान को लेकर ओम प्रकाश राजभर ने तीखी प्रतिक्रिया दी और ओवैसी को नसीहत दे डाली।

सोशल मीडिया एक्स एकाउंट पर की गई पोस्ट में ओपी राजभर ने लिखा, साहब, अब जब आप उत्तर प्रदेश आ ही रहे हैं तो अपनी हैदराबादी बैरिस्टरी का थोड़ा-बहुत ज्ञान अपने सिपहसालार को भी अवश्य दे दीजिएगा।

PoK में अब तक 46 प्रदर्शनकारियों की मौत

- 1100 गिरफ्तार
- शरणार्थी सीटें खत्म करने के लिए आंदोलन, पाकिस्तानी सेना का विरोध

नई दिल्ली. पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (PoK) में बीते 4 दिनों से चल रहे आंदोलन में अब तक 46 प्रदर्शनकारियों की मौत हो गई है. सूत्रों के मुताबिक, चार दिनों में 1100 से ज्यादा लोगों की भी गिरफ्तारी हुई है.

दरअसल, PoK में विधानसभा की 12 आरक्षित सीटों लेकर विवाद चल रहा है. ये सीटें उन शरणार्थियों के लिए आरक्षित हैं जो जम्मू-कश्मीर से पाकिस्तान के अन्य हिस्सों में जाकर बसे थे. PoK सुप्रीम कोर्ट ने 7 जून को आरक्षण खत्म करने की मांगों को खारिज कर दिया और कहा कि संवैधानिक संशोधन सरकार से छीनी जाने वाली कोई रियायत नहीं है. इस फैसले के बाद जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी (JAAC) इन सीटों को खत्म करने की मांग को लेकर आंदोलन कर रही है. इस वजह से मुजफ्फराबाद, मीरपुर में बाजार, स्कूल, कॉलेज और दफ्तर बंद हैं. नेटबंदी भी जारी है. इससे घाटी बाहरी दुनिया से कटी हुई है.

प्रशासन ने प्रदर्शन समर्थक जेएएसी नेताओं शौकत नवाज मीर, ख्वाजा मेहरान और अन्य पर राजद्रोह के केस दर्ज किए हैं. सरकार अर्धसैनिक बलों का खौफ दिखाकर आंदोलन कुचलने की कोशिश कर रही है. सरकार ने 5 जून को JAAC पर आतंकवाद विरोधी कानून के तहत प्रतिबंध लगा दिया था. इसके बाद से इलाके में तनाव लगातार बढ़ रहा है.

कई नेताओं पर राजद्रोह का केस दर्ज

इससे प्रदर्शनकारियों का जोश कम नहीं हुआ है. उनमें नाराजगी और बढ़ गई है. JAAC के सदस्य धरने की तैयारी तेज कर रहे हैं. पाकिस्तानी आर्मी और सरकार ने पुंछ, मीरपुर और मुजफ्फराबाद में अतिरिक्त अर्धसैनिक बल तैनाती के आदेश दिए हैं. इनमें रेंजर्स और फ्रंटियर कॉन्स्टेबुलरी के जवान शामिल हैं.

SIR- 30 करोड़ वोटर कार्ड से धुंधले फोटो हटेंगे

- अब मकान नंबर की जगह '00' नहीं लिखा जाएगा

नई दिल्ली. निर्वाचन आयोग घर-घर जाकर वोटरों की पहचान करने के अंतिम दौर में पहुंच रहा है. अब बचे हुए 39 करोड़ 73 लाख वोटर्स के दरवाजे पर दस्तक देने की तैयारी है. स्पेशल इंटेंसिव रिविजन (SIR) के बाद मतदाता फोटो पहचान कार्ड यानी एपिक में क्या बड़े बदलाव आए हैं. SIR के बाद अब तक तैयार 59 करोड़ मतदाताओं के फोटो न सिर्फ हाल ही के हैं बल्कि रंगीन भी हैं.

चुनाव आयोग के 9 लाख 20 हजार से ज्यादा बूथ लेवल अफसरों (बीएलओ) ने मोबाइल से वोटरों के फोटो उनके पहचान पत्र के साथ जोड़कर मतदाता सूची को साफ-सुथरा बनाया है. इसके लिए BLO ने कोई फीस नहीं ली.

पहले दौर में बिहार और सेकेंड फेज के 12 राज्यों के वोटर्स की घर-घर जाकर पुष्टि के बाद 59 करोड़ वोटरों के नए पहचान पत्र बने हैं.

प्लेन के टॉयलेट स्पीकर से 4 करोड़ का सोना जब्त

- दो थैलियों में 24 सोने के बिस्कुट मिले
- दुबई से अहमदाबाद पहुंची थी फ्लाइट

अहमदाबाद. अहमदाबाद एयरपोर्ट पर के एक प्लेन से चार किलो सोना बरामद किया गया है. डायरेक्टोरेट ऑफ रेवेन्यू इंटेलीजेंस (डीआरआई) के अधिकारियों ने प्लेन पर छापा मारा और प्लेन के टॉयलेट से बरामद किया. इंडिगो का यह प्लेन गुरुवार को दुबई से अहमदाबाद पहुंचा था. गोल्ड कौन लेकर आया था, इसकी जांच की जा रही है.

गुप्त सूचना के आधार पर अधिकारियों ने प्लेन की जांच की. जांच के दौरान टॉयलेट में लगे स्पीकर बॉक्स के अंदर दो थैलियां मिलीं. इन थैलियों में 24 सोने के बिस्किट्स रखे हुए थे. इन 999 कैरेट के बिस्कुटों की मार्केट वैल्यू 4 करोड़ रुपए से अधिक आंकी गई है.

ब्लैक कलर के टेप में लिपटे दो पाउच में था गोल्ड

एयरपोर्ट से मिली जानकारी के अनुसार अधिकारियों को प्लेन से गोल्ड स्मगलिंग की खुफिया जानकारी मिली थी. गुरुवार को जैसे ही इंडिगो की फ्लाइट 6E-1478 अहमदाबाद एयरपोर्ट पर पहुंची तो उसकी जांच शुरु की गई. टॉयलेट से पहले भी गोल्ड स्मगलिंग की घटनाएं सामने आ चुकी हैं.

इसलिए एक टीम ने टॉयलेट की बारीकी से जांच की. टॉयलेट का स्पीकर बॉक्स निकाला गया तो उसका वजन काफी ज्यादा महसूस हुआ. जब बॉक्स खोला गया तो उसके अंदर ब्लैक कलर के टेप में लिपटे दो पाउच निकले. पाउच में 999.0 शुद्धता (24 कैरेट) के 24 विदेशी मूल के सोने के बिस्कुट पाए गए. इनका कुल वजन 2,799.3 ग्राम था.

हिमाचल में ड्रोन से डॉक वितरण का सफल ट्रायल

- मंडी ऐसा करने वाला देश का पहला डाकघर बना
- 10 मिनट में 12KM की दूरी तय

मंडी. हिमाचल प्रदेश में अब ड्रोन से घर-घर डाक पहुंचेगी. इस दिशा में भारतीय डाक विभाग ने मंडी में सफल ट्रायल किया. पायलट आधार पर यह ट्रायल मंडी प्रधान डाकघर से रेहड़ार शाखा तक किया गया. ड्रोन से डाक को घर-घर पहुंचाने की दिशा में ऐसा करने कदम उठाने वाला मंडी डाकघर देश का पहला पोस्ट-ऑफिस बन गया है.

इस ट्रायल ने भविष्य की स्मार्ट डाक सेवाओं की नई तस्वीर पेश की है. यह हिमाचल जैसे दुर्गम क्षेत्रों के लिए फायदेमंद साबित हो सकती है, क्योंकि यहां पहाड़ी रास्तों में घर-घर डाक पहुंचाना चुनौती से कम नहीं है.

मंडी पोस्टल डिपार्टमेंट के अनुसार, शुक्रवार को यह ट्रायल करीब 12 किलोमीटर लंबे और दुर्गम पहाड़ी मार्ग पर किया गया. ड्रोन से 12 किलोमीटर की दूरी तय करने 9 से 10 मिनट का वक्त लगा. इस रास्ते पर पैदल डाक पहुंचानी हो तो पूरा दिन लग जाता है. हालांकि अभी ड्रोन से डाक पहुंचाने का प्रोजेक्ट पायलट आधार पर शुरू किया गया है.

स्काई एयर के सहयोग से प्रोजेक्ट शुरू किया: सांख्यान

मंडी प्रधान डाकघर की डाकपाल नेहा सांख्यायन के अनुसार, भारतीय डाक विभाग ने स्काई एयर के सहयोग से यह पहल शुरू की है. उनका कहना है कि बदलते समय में तकनीक को अपनाना जरूरी है और ड्रोन आधारित डाक सेवा आने वाले वर्षों में वितरण व्यवस्था में क्रांतिकारी बदलाव ला सकती है. उन्होंने बताया कि जिस कार्य को पूरा करने में पहले पूरा दिन लग जाता था, वही काम अब ड्रोन की मदद से लगभग 10 मिनट में संभव हो सकेगा.

वैभव सूर्यवंशी के छोटे भाई ने शतक लगाया

- 10 साल के आशीर्वाद ने 21 बाउंड्री लगाईं
- पिता बोले थे- दो साल में वैभव जैसा खेलेगा

वैभव सूर्यवंशी के छोटे भाई आशीर्वाद (बीच में) और बड़े भाई उज्जवल (बाएं से पहले).

वैभव सूर्यवंशी के बाद अब उनके छोटे भाई आशीर्वाद सूर्यवंशी भी क्रिकेट में सुर्खियां बटोर रहे हैं. 10 साल के आशीर्वाद ने समस्तीपुर में खेले गए एक लोकल प्रैक्टिस मैच में क्रिकेट अकादमी ताजपुर की ओर से खेलते हुए 87 गेंदों पर 103 रन बनाए.

उनकी पारी में 20 चौके और एक छक्का शामिल रहा. राइट हैंड बल्लेबाज आशीर्वाद के शतक का वीडियो और स्कोरकार्ड उनके बड़े भाई उज्ज्वल सूर्यवंशी ने सोशल मीडिया पर शेयर किया. आशीर्वाद को लेकर पिता संजीव कह चुके हैं कि वे आशीर्वाद को भी आने वाले दो साल में वैभव की तरह एक बेहतरीन क्रिकेटर बनाना चाहते हैं.

- पिता ने कहा- आशीर्वाद पर भी प्यार बनाए रखें

आशीर्वाद के शतक के बाद पिता संजीव सूर्यवंशी ने भी सोशल मीडिया पर खुशी जाहिर की. उन्होंने फेसबुक पोस्ट में लिखा, मेरे छोटे बेटे आशीर्वाद सूर्यवंशी ने आज प्रैक्टिस मैच में अपना पहला शतक बनाया. आप सभी से अनुरोध है कि आशीर्वाद पर भी अपना प्यार और आशीर्वाद बनाए रखें.

- वैभव तीन भाइयों में मंझले हैं

वैभव सूर्यवंशी तीन भाइयों में मंझले हैं. उनके बड़े भाई का नाम उज्ज्वल सूर्यवंशी है, जबकि सबसे छोटे भाई आशीर्वाद सूर्यवंशी हैं. पिता संजीव सूर्यवंशी और मां आरती सूर्यवंशी ने दोनों बेटों के क्रिकेट करियर में अहम भूमिका निभाई है.

- वैभव की तरह बैटिंग करते हैं आशीर्वाद

आशीर्वाद सूर्यवंशी बिहार में क्रिकेट की ट्रेनिंग ले रहे हैं. वे बड़े भाई वैभव की तरह अटैकिंग बल्लेबाजी के लिए जाने जाते हैं. आशीर्वाद की शतकीय पारी की बदौलत क्रिकेट अकादमी ताजपुर ने 29.5 ओवर में 4 विकेट पर 234 रन बनाए.

टीम के लिए शिवम राज ने 75 गेंदों में 52 रन का योगदान दिया. शतक पूरा करने के बाद आशीर्वाद ने हेलमेट उतारकर जश्न मनाया. उनकी तस्वीरें वायरल हो रही हैं.

- वैभव सबसे कम उम्र में भारतीय टीम में चुने गए

आशीर्वाद के बड़े भाई वैभव सूर्यवंशी इस समय भारतीय क्रिकेट का चर्चित नाम हैं. 6 जून को उनका चयन आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ टी-20 सीरीज तथा एशियन गेम्स के लिए भारतीय टीम में हुआ. 15 साल 71 दिन की उम्र में टीम इंडिया में जगह बनाकर वे भारत के लिए चुने जाने वाले सबसे युवा क्रिकेटर बन गए.

वैभव ने इस मामले में शेफाली वर्मा और सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड पीछे छोड़ दिया. शेफाली पहली बार 15 साल 220 दिन की उम्र में भारतीय टीम में चुनी गई थीं, जबकि सचिन को 16 साल 194 दिन की उम्र में राष्ट्रीय टीम में मौका मिला था.

भारतीय मल्टी लेयर्ड बैलिस्टिक डिफेंस सिस्टम का टेस्ट कामयाब

- 5000km से आ रही मिसाइल को मार गिराएगा
- यह तकनीक हासिल करने वाला भारत 5वां देश

नई दिल्ली. भारत अब लंबी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलों, यहां तक कि इंटरकॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल के खतरों का भी मुकाबला कर सकता है. DRDO ने 10 और 11 जून को लगातार 3 फ्लाइट टेस्ट किए गए, जिनमें मल्टी-लेयर्ड बैलिस्टिक मिसाइल डिफेंस (BMD) सिस्टम का प्रदर्शन किया गया. इसमें इंटरकॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल (ICBM) क्लास तक के खतरों समेत बैलिस्टिक मिसाइलों को रोकने और बेअसर करने की क्षमता भी शामिल है.

यह स्वदेशी तकनीक दुश्मन की मिसाइलों को लक्ष्य तक पहुंचने से पहले हवा में ही नष्ट कर देती है. रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 13 जून को टेस्टिंग की तस्वीरें X अकाउंट पर शेयर की हैं.

इसके साथ-साथ नेवल एंटी शिप मिसाइल-मीडियम रेंज का भी टेस्ट किया गया. इसे भारत की समुद्री स्ट्राइक और डिफेंस स्किल को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है.

भारत अब उन खास देशों के ग्रुप में शामिल हो गया है, जिनके पास ऑपरेशनल-लेवल की बैलिस्टिक मिसाइल डिफेंस क्षमता है. भारत से पहले यह तकनीक अमेरिका, रूस, इजराइल और चीन के पास थी.

क्या होती है इंटरकॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल

आसान भाषा में इंटरकॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल को बहुत लंबी दूरी तक मार करने वाली मिसाइल कहा जा सकता है. यह ऐसी मिसाइल होती है जो एक महाद्वीप से दूसरे महाद्वीप तक पहुंच सकती है. आमतौर पर 5,500 किलोमीटर से ज्यादा दूरी तक मार कर सकती है. इसके अलावा यह परमाणु हथियार ले जाने में भी सक्षम होती है.
यह मिसाइल रॉकेट की तरह ऊपर अंतरिक्ष की ओर जाती है, फिर बहुत ऊंचाई से पृथ्वी की ओर लौटती है और बहुत तेज स्पीड से टारगेट पर हमला करती है. इसी वजह से इसे दुनिया के सबसे शक्तिशाली रणनीतिक हथियारों में गिना जाता है.

मल्टी लेयर्ड बैलिस्टिक मिसाइल डिफेंस सिस्टम को ऐसे समझें

मल्टी लेयर्ड BMD का काम दुश्मन की बैलिस्टिक मिसाइल को उसके टारगेट तक पहुंचने से पहले ही मार गिराना है. यह कई लेवल पर काम करता है- जैसे पहले रडार मिसाइल का पता लगाते हैं. कमांड सेंटर खतरे का आकलन करता है. इसके बाद इंटरसेप्टर मिसाइल छोड़ी जाती है, जो हवा में जाकर दुश्मन की मिसाइल को नष्ट कर देती है.

बांग्लादेशी क्रिकेटर को पुलिस ने सड़क पर पीटा

- गला पकड़कर गाड़ी में बैठाया, फिर डंटे से मारा
- एयरपोर्ट से घर जा रहे थे नईम हसन

बांग्लादेश टेस्ट टीम के स्पिनर नईम हसन ने चटगांव पुलिस पर मारपीट और गाली देने के आरोप लगाए हैं. नईम का दावा है कि पुलिसकर्मियों ने उन्हें गला पकड़कर गाड़ी में बैठाया और फिर डंटे से पीटा. 26 साल के क्रिकेटर ने कहा- मैंने अधिकारियों को अपने नेशनल क्रिकेटर होने की बात भी बताई, लेकिन वे नहीं रुके.

नईम ढाका प्रीमियर लीग में प्राइम बैंक क्रिकेट क्लब के लिए अपना आखिरी मैच खेलने के बाद 12 जून की रात फ्लाइट से चटगांव पहुंचे थे. वे रात 11:25 बजे CNG ऑटो से घर लौट रहे थे, तब लंकन बाजार फ्लाईओवर के नीचे पुलिस ने उनका वाहन रोक लिया और मारपीट की.

ढाका ट्रिब्यून के अनुसार तीन अधिकारियों को हटा दिया गया है. नईम जिम्बाब्वे के खिलाफ इकलौटे टेस्ट के लिए बांग्लादेश के टेस्ट टीम में चुने गए हैं.

नईम बोले- मुझे पीटा... गालियां भी दीं

मैंने पुलिस से कहा कि जरूरत हो तो उनका बैग चेक कर लिया जाए, लेकिन इसके बावजूद पुलिसकर्मियों ने उनका गला पकड़ लिया और जबरन अपनी गाड़ी में बैठा लिया. नईम का आरोप है कि उन्हें पीटा गया और अपशब्द कहे गए.

मैंने उन्हें बताया कि मैं नेशनल क्रिकेटर हूं और बांग्लादेश के लिए टेस्ट क्रिकेट खेलता हूं, लेकिन उन्होंने मेरी बात पर ध्यान नहीं दिया. बाद में जब उन्हें फोन पर मेरे बारे में जानकारी मिली, तभी उनका रवैया बदला.

डिप्टी कमिश्नर बोले- जांच कर रहे हैं, दोषियों पर कार्रवाई होगी

चटगांव मेट्रोपॉलिटन पुलिस के डिप्टी कमिश्नर अमीरुल इस्लाम ने कहा कि घटना की जांच की जा रही है और दोषी पाए जाने वाले लोगों के खिलाफ कार्रवाई होगी. उन्होंने कहा कि पुलिस की छवि और पेशेवर आचरण से जुड़े मामलों में विभाग की जीरो टॉलरेंस नीति है.

राम मंदिर में चोरी के आरोपों की SIT करेगी जांच

अयोध्या. अयोध्या के श्रीराम मंदिर में चढ़ावे में अनियमितता और चोरी के आरोपों की जांच अब स्पेशल इन्वेस्टीगेशन टीम (एसआईटी) करेगी। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अनुरोध पर सीएम योगी आदित्यनाथ के आदेश पर एसआईटी का गठन किया गया है। सरकार ने जांच टीम को सात दिनों के भीतर प्रारंभिक रिपोर्ट और 15 दिनों के भीतर अंतिम रिपोर्ट सौंपने के निर्देश दिए हैं। गठित एसआईटी में वरिष्ठ प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों को शामिल किया गया है। समिति की अध्यक्षता लखनऊ मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत करेंगे।

संक्षेप...

बुलेट ट्रेन की माउंटेन टनल में पहली बार बनाए गए हुड्स

मुंबई. मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना में पहली बार भारत के अंदर पर्वतीय सुरंगों में टनल हुड्स बनाए गए हैं। अभी तक भारत की किसी भी माउंटेन टनल में ऐसा नहीं किया गया है। इन टनल हुड्स को सभी माउंटेन टनल में अनिवार्य किया गया है। यह भारत में पहली बार है जब रेलवे टनलों के लिए इस प्रकार की टनल हुड तकनीक को डिजाइन और लागू किया गया है। मुंबई–अहमदाबाद बुलेट ट्रेन कॉरिडोर में कुल माउंटेन टनल हैं। इसमें महाराष्ट्र में सात तथा गुजरात में एक पर्वतीय सुरंग शामिल है। इन पर्वतीय सुरंगों के दोनों सिरों पर टनल हुड्स बनाए जा रहे हैं।

जब कोई हाई-स्पीड ट्रेन टनल में प्रवेश करती है, तो वह अपने आगे बड़ी मात्रा में हवा को धक्का देती है, ठीक वैसे ही जैसे एक पिस्टन सिलेंडर के अंदर चलता है। हवा के इस अचानक संपीड़न से प्रेशर वेव्स उत्पन्न होती हैं, जो टनल के भीतर फैलती हैं। यदि इनका सही तरीके से प्रबंधन नहीं किया जाए, तो ये प्रेशर वेव्स ट्रेन के टनल से बाहर निकलते समय तेज धमाके जैसी आवाज पैदा कर सकती हैं। टनल हुड्स खुले वातावरण और सीमित टनल स्थान के बीच एक संक्रमण क्षेत्र के रूप में कार्य करते हैं।

गुटखा तस्करों पर लगेगा मकोका

- निर्माता से लेकर सप्लायर तक सब नपेंगे

मुंबई. महाराष्ट्र में प्रतिबंधित गुटखे के अवैध कारोबार पर अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई की तैयारी कर ली गई है. राज्य के इतिहास में पहली बार गुटखा बेचने वालों के खिलाफ महाराष्ट्र कंट्रोल ऑफ ऑर्गनाइज्ड क्राइम एक्ट (MCOCA) के तहत मामला दर्ज किया जाएगा.

खाद्य और औषधि प्रशासन (FDA) के आयुक्त तुकाराम मुंढे ने इस संबंध में आदेश जारी करते हुए साफ किया है कि गुटखा कारोबार से जुड़े पूरे नेटवर्क पर कार्रवाई की जाएगी. इसके तहत निर्माता, विक्रेता, वित्तीय सहायता देने वाले, सप्लायर, कमीशन एजेंट, ट्रांसपोर्टर, उनके एजेंट, गोदाम संचालक, तस्कर और व्यापारी, सभी को MCOCA के दायरे में लाया जाएगा.

अधिकारी ने कहा कि महाराष्ट्र में गुटखा पूरी तरह प्रतिबंधित होने के बावजूद इसका अवैध कारोबार लगातार जारी है. अब तक कई मामले दर्ज हुए, कार्रवाई हुई और अभियोजन भी चला, लेकिन इसके बावजूद यह नेटवर्क सक्रिय है, जिससे सार्वजनिक स्वास्थ्य को गंभीर खतरा बना हुआ है.

FDA ने निर्देश दिया है कि शुक्रवार से ही पूरे महाराष्ट्र में गुटखा कारोबार के खिलाफ कड़ी कार्रवाई शुरू की जाए. कार्रवाई केवल छोटे विक्रेताओं तक सीमित न रहकर पूरे संगठित नेटवर्क पर की जाएगी. इसके लिए खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम और भारतीय न्याय संहिता (BNS) की संबंधित धाराओं के साथ MCOCA का भी इस्तेमाल किया जाएगा. खाद्य सुरक्षा अधिकारियों को भी इस अभियान में सक्रिय भूमिका निभाने के निर्देश दिए गए हैं. आयुक्त ने अपने आदेश में संविधान के अनुच्छेद 47 का भी उल्लेख किया है, जिसमें जनस्वास्थ्य में सुधार को राज्य का प्राथमिक कर्तव्य बताया गया है.

आंकड़ों के अनुसार, पिछले दस सालों में महाराष्ट्र में अब तक गुटखा कारोबार से जुड़े 703 एफआईआर दर्ज की जा चुकी हैं. इनमें 260 मामले निर्माताओं, 248 सप्लायरों और 190 ट्रांसपोर्टरों के खिलाफ दर्ज किए गए हैं.

अब इन मामलों में संगठित अपराध के पहलू की जांच करते हुए MCOCA के तहत भी कार्रवाई की जाएगी. इस फैसले को महाराष्ट्र में अवैध गुटखा कारोबार पर अब तक की सबसे सख्त कार्रवाई माना जा रहा है.

देसी शराब बेचने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग

भिवंडी. भिवंडी मनपा वरिष्ठ नगरसेवक नीलेश हरिश्चंद्र चौधरी ने भिवंडी तालुका अंतर्गत देशी शराब बेचने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है.उक्त संबंध में उन्होंने एक पत्र भिवंडी परिमंडल-2 के पुलिस उपायुक्त डॉ. पवन बनसोड़े को सौंपा.

पत्र के अनुसार भिवंडी तालुका में बड़ी संख्या में गैर-कानूनी शराब बेचने वाले काम कर रहे हैं. बिना किसी लाइसेंस के, कुछ भ्रष्ट सरकारी और प्रशासनिक कर्मचारियों की मिलीभगत से, शराब बेचने वाले बिना किसी रोकटोक के गैर-कानूनी शराब का धंधा कर सरकार को भारी मात्रा में राजस्व का नुकसान हो रहा है.चौधरी ने आरोप लगाया कि,हाल ही में, पुणे के पिंपरी-चिंचवाड़ में जहरीली शराब से 21 लोगों की मौत हो गई है और कुछ अन्य की हालत गंभीर है. मरने वालों की संख्या बढ़ने की संभावना है.फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन ने भिवंडी तालुका के वल ग्राम पंचायत की सीमा में म्हात्रे कंपाउंड में एम.रेक्स इंटरनेशनल कंपनी के वेयरहाउस पर रेड मारकर मेथनॉल स्टॉक जब्त कर लिया है और वेयरहाउस को सील कर दिया है.अभी भिवंडी तालुका में कई जगहें ऐसी हैं जहां गैर-कानूनी मिशेलिन मिक्स की बिना इजाज़त जहरीली हाथ भट्टियां चल रही हैं और उनके ज़रिए जहरीली शराब बेचे जाने की संभावना है.

वरिष्ठ नगरसेवक नीलेश हरिश्चंद्र चौधरी ने मांग की है कि,अधिकारियों को गैर-कानूनी शराब बेचने वालों और हाथ भट्टियों के मालिकों के खिलाफ सख्त एक्शन लेने और उनके खिलाफ केस दर्ज करने के लिए आदेश दें. अगर गैर-कानूनी शराब बेचने वालों को सज़ा मिलती है, तो गैर-कानूनी शराब बेचने वाले की दुकान/जगह को सील किया जाए और मौके पर मिली गैर-कानूनी शराब को तुरंत हटाया जाए और सख्त कानूनी एक्शन लिया जाए.

मानसून को लेकर KDMC प्रशासन सतर्क

- महापौर, आयुक्त और अधिकारियों ने किया निरीक्षण

कल्याण. बारिश के मौसम को ध्यान में रखते हुए शहर में संभावित बाढ़ की स्थिति और नागरिकों की सुरक्षा के मद्देनज़र महानगरपालिका प्रशासन सतर्क हो गया है.

केडीएमसी की महापौर हर्षाली थविल चौधरी, आयुक्त अभिनव गोयल तथा पालिका अधिकारियों ने शहर के विभिन्न नालों, जल निकासी व्यवस्था और वर्षा पूर्व तैयारियों का संयुक्त निरीक्षण किया. इस दौरान चल रहे सफाई कार्यों की समीक्षा की गई. साथ ही जलभराव वाले क्षेत्रों, नालों की सफाई तथा आपातकालीन व्यवस्थाओं के संबंध में संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए. बारिश के दौरान नागरिकों को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए प्रशासन द्वारा सभी आवश्यक व्यवस्थाएं और संसाधन तैयार रखे जा रहे हैं, ऐसा इस अवसर पर बताया गया. बारिश शुरू होने से पहले ही प्रशासन मैदान में उतर चुका है और शहर को जलमग्न होने से बचाने के लिए तैयारियों को तेज़ी से आगे बढ़ाया जा रहा है.

ओला चालक की 3 युवकों ने की बेरहमी से पिटाई

- कार में की तोड़फोड़

भिवंडी. भिवंडी शहर के मंडई क्षेत्र में एक ओला चालक के साथ मारपीट और वाहन में तोड़फोड़ का मामला सामने आया है. यातायात के दौरान कथित. रूप से कट मारने की बात को लेकर तीन युवकों ने चालक पर हमला कर दिया.

प्राप्त जानकारी के अनुसार, मुंब्रा निवासी ओला चालक मोहम्मद आजम तवाब अपने मित्र से मिलने के लिए भिवंडी आ रहे थे. मंडई क्षेत्र में पहुंचने पर यातायात के दौरान हुए विवाद को लेकर अमजा अंसारी, अमान अनवर अंसारी और तौशीर अंसारी ने उनसे कहासुनी की. आरोप है कि कट मारने की बात से नाराज होकर तीनों ने चालक की बेरहमी से पिटाई कर दी. इतना ही नहीं, आरोपियों ने ओला कार की कांच और हेडलाइट भी तोड़ दी, जिससे वाहन को नुकसान पहुंचा. घटना के बाद घायल चालक ने शहर पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई.

...तो महावितरण कार्यालय पर लगाएंगे ताला

- कांग्रेस की चेतावनी
- महावितरण के कामकाज के खिलाफ कल्याण में कांग्रेस आक्रामक
- एक महीने के भीतर स्थिति सुधारने की मांग

कल्याण. महावितरण के कामकाज के कारण आम नागरिकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है. इसके विरोध में कल्याण में कांग्रेस ने आक्रामक रुख अपनाया है. कांग्रेस के कल्याण जिला अध्यक्ष नवीन सिंह ने चेतावनी दी है कि यदि एक महीने के भीतर स्थिति में सुधार नहीं हुआ तो महावितरण कार्यालय पर ताला लगाया जाएगा. महावितरण से संबंधित विभिन्न समस्याओं को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कल्याण स्थित तेजश्री महावितरण कार्यालय पहुंचकर अधिकारियों से जवाब-तलब किया. इस दौरान महावितरण के खिलाफ जोरदार नारेबाजी भी की गई.

बिजली दरों में वृद्धि, बार-बार होने वाली बिजली कटौती, बिजली चोरी का भार आम उपभोक्ताओं पर डालना, डिपॉजिट के नाम पर अतिरिक्त वसूली तथा स्मार्ट मीटरों के कारण बढ़े हुए बिजली बिल जैसे गंभीर मुद्दों को लेकर कल्याण शहर जिला कांग्रेस कमेटी ने बिजली विभाग के अधिकारियों को ज्ञापन सौंपा. कांग्रेस नेताओं का आरोप है कि महावितरण एक 'महाबोगस' कार्यालय बन गया है. बिना लोगों को जानकारी दिए स्मार्ट मीटर लगाए जा रहे हैं. महाराष्ट्र में लगभग 850 करोड़ रुपये की बिजली हानि हुई है, जिसका बोझ भी आम जनता पर डाला जा रहा है. लगातार लोड शेडिंग की जा रही है और मामूली बिजली बिल बकाया होने पर भी बिजली कनेक्शन काट दिया जाता है. दोबारा कनेक्शन जोड़ने के लिए 250 रुपये का शुल्क वसूला जाता है. नवीन सिंह ने कहा कि सत्ता में आने के बाद बिजली बिलों में 30 प्रतिशत की छूट देने का वादा फडणवीस सरकार ने किया था, लेकिन ऐसा कुछ भी नहीं हुआ. उन्होंने चेतावनी दी कि यदि अगले एक महीने में इन सभी समस्याओं पर ध्यान नहीं दिया गया तो कांग्रेस पार्टी महावितरण कार्यालय पर ताला लगाने का आंदोलन करेगी. इस अवसर पर नगरसेविका समीना शेख, अल्पसंख्यक जिलाध्यक्ष सलीम शेख,अजित सिंह,आजम शेख, रीना खांडेकर, अनंत गवली सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे.

भिवंडी बस स्टैंड परियोजना को मिली रफ्तार

- विधायक महेश चौघुले के प्रयासों को मिली सफलता

भिवंडी. भिवंडी शहर में अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त नए एसटी बस स्टेशन के निर्माण का मार्ग प्रशस्त हो गया है. निर्माण कार्य के दौरान यात्रियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए महाराष्ट्र राज्य सड़क परिवहन निगम (एमएसआरटीसी) ने अस्थायी वैकल्पिक बस स्टेशन के निर्माण हेतु 72 लाख 84 हजार 808 रुपये की ई-निविदा जारी की है. इस महत्वपूर्ण परियोजना को आगे बढ़ाने में भिवंडी (पूर्व) के भाजपा विधायक महेश चौघुले की लगातार कोशिशों को बड़ी सफलता मिली है. विधायक चौघुले पिछले कई वर्षों से भिवंडी को आधुनिक और सुविधा संपन्न बस स्टेशन दिलाने के लिए प्रयासरत थे. उन्होंने विधानसभा में यह मुद्दा उठाया, परिवहन मंत्री के साथ कई बैठकें कीं तथा मनपा और परिवहन विभाग के अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित कर परियोजना को गति प्रदान की. नए बस डिपो के निर्माण के दौरान एसटी बस सेवाएं प्रभावित न हों, इसके लिए अस्थायी बस स्टेशन स्थापित किया जाएगा. इससे प्रतिदिन हजारों यात्रियों को सुगम और निर्बाध परिवहन सुविधा मिलती रहेगी तथा यात्रा में किसी प्रकार की परेशानी नहीं होगी. शहरवासियों के लिए यह एक बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है. स्थानीय नागरिकों ने इस पहल के लिए विधायक महेश चौघुले, परिवहन विभाग और महाराष्ट्र राज्य सड़क परिवहन निगम का आभार व्यक्त किया है.

महाराष्ट्र-गोवा बार काउंसिल चुनाव में अधिवक्ता हर्षल पाटिल रिकार्ड मतों से विजयी

- समर्थकों में खुशी की लहर, मिल रही शुभकामनाएँ

भिवंडी. महाराष्ट्र एवं गोवा बार एसोसिएशन के प्रतिष्ठित और बेहद चर्चित चुनाव में भिवंडी के सुप्रसिद्ध अधिवक्ता हर्षल प्रमोद पाटिल ने रिकार्ड मतों से शानदार जीत दर्ज कर जिले का नाम रोशन किया है. 24 मार्च को संपन्न हुए चुनाव की मतगणना 6 अप्रैल से शुरू हुई थी. महाराष्ट्र और गोवा के लगभग 1 लाख 80 हजार मतदाताओं वाले चुनाव में अधिवक्ता हर्षल पाटिल को प्रथम वरीयता के 1987 वोट तथा कुल 3683.5 मत प्राप्त हुए. अधिवक्ता हर्षल पाटिल इससे पहले भिवंडी बार एसोसिएशन के 2 बार अध्यक्ष रह चुके हैं. उन्होंने भाजपा भिवंडी शहर अध्यक्ष के रूप में भी बेहद कुशलता से संगठनात्मक जिम्मेदारी निभाई है. उनके परिवार का विधि क्षेत्र में विशेष योगदान रहा है.उनके पिता वरिष्ठ अधिवक्ता प्रमोद पाटिल भी पूर्व में महाराष्ट्र एवं गोवा बार एसोसिएशन के अध्यक्ष पद को सुशोभित कर चुके हैं. एड हर्षल पाटिल की जीत के बाद भिवंडी वकील समुदाय में भारी उत्साह का माहौल है.पूर्व केंद्रीय राज्यमंत्री कपिल पाटिल, वरिष्ठ मनपा पार्षद निलेश चौधरी,सुमित पाटिल, समाजसेवी कृष्णा गाजेंगी, एड नाना अय्यर,एड व्यंकटेश चिटकेन,एड अब्दुल बाकी अंसारी,मनपा शिक्षण मंडल पूर्व सभापति प्रदीप राका,वरिष्ठ कांग्रेस नेता तारिक फारूकी,अशोक कुमार फड़तरे, राकांपा जिलाध्यक्ष प्रवीण पाटिल,नागरिक सहकारी बैंक पूर्व चेयरमैन राजू गाजेंगी,पत्रकार गुरुप्रसाद सिंह, सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने बधाई दी है. विशेष बात यह है कि महाराष्ट्र-गोवा बार एसोसिएशन के चुनावी इतिहास में पहली बार ठाणे जिले से 2 सदस्य निर्वाचित हुए हैं. अधिवक्ता हर्षल पाटिल के साथ अधिवक्ता गजानन चव्हाण का भी चयन हुआ है. इस उपलब्धि को ठाणे जिले के विधि जगत के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है.

'कृष-4' से पहले ग्लोबल स्टार बनेंगे ऋतिक

- हॉलीवुड की ओर बढ़ रहे ऋतिक रोशन
- ग्लोबल टैलेंट कंपनी के साथ की डील

ऋतिक रोशन अब सिर्फ बॉलीवुड स्टार नहीं, बल्कि इंटरनेशनल स्क्रीन प्रेजेंस की तरफ बढ़ रहे हैं. उनकी डील ग्लोबल मीडिया और टैलेंट कंपनी एनोनिमस कंटेंट के साथ हुई है. यह वही कंपनी है जो दुनिया भर में बड़े फिल्ममेकर, लेखक और कलाकारों के साथ काम करने और इंटरनेशनल प्रोजेक्ट्स को आकार देने के लिए जानी जाती है. हालांकि आधिकारिक तौर पर अभी किसी हॉलीवुड फिल्म की घोषणा नहीं हुई है लेकिन इंडस्ट्री में ऋतिक के इस कदम को करियर के अगले बड़े विस्तार के संकेत के तौर पर देखा जा रहा है.

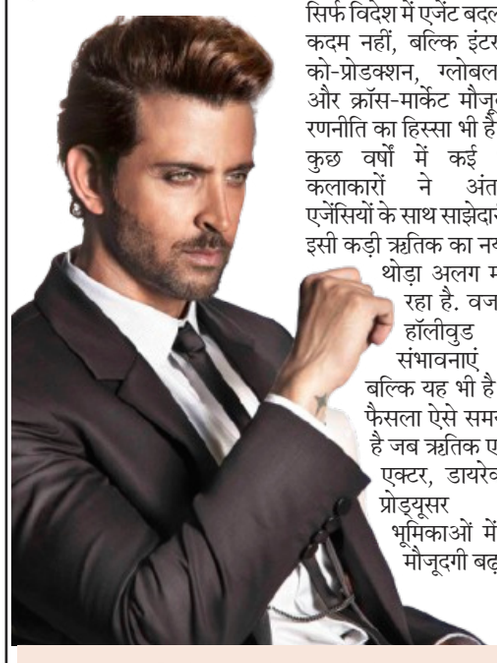

इंडस्ट्री मान रही है कि यह सिर्फ विदेश में एजेंट बदलने जैसा कदम नहीं, बल्कि इंटरनेशनल को-प्रोडक्शन, ग्लोबल कंटेंट और क्रॉस-मार्केट मौजूदगी की रणनीति का हिस्सा भी है. पिछले कुछ वर्षों में कई भारतीय कलाकारों ने अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के साथ साझेदारी की है. इसी कड़ी ऋतिक का नया कदम थोड़ा अलग माना जा रहा है. वजह सिर्फ हॉलीवुड में संभावनाएं नहीं, बल्कि यह भी है कि यह फैसला ऐसे समय आया है जब ऋतिक एक साथ एक्टर, डायरेक्ट और प्रोड्यूसर तीनों भूमिकाओं में अपनी मौजूदगी बढ़ा रहे हैं.

'कृष 4' की तैयारियों में जुटे हैं सुपरस्टार

दिलचस्प यह है कि अभी तक किसी हॉलीवुड फिल्म या सीरीज की आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है. एक तरफ एक्टर के तौर पर ऋतिक अपनी सबसे बड़ी फ्रेंचाइज 'कृष 4' की तैयारी में जुटे हैं, वहीं दूसरी तरफ निर्माता के रूप में अपने बैनर HRX Films का विस्तार हो रहा है. ऐसे में नई ग्लोबल डील ऋतिक के लिए अंतरराष्ट्रीय प्रोजेक्ट्स, को-प्रोडक्शन, ग्लोबल स्ट्रीमिंग कंटेंट और नए क्रिएटिव सहयोगों के रास्ते खोल सकती है.

मोदी सरकार के नेतृत्व में आत्मनिर्भर बना भारत

- भाजपा प्रदेश अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण ने रिपोर्ट पेश की

ठाणे. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बारह साल में देश को हर सेक्टर में दिशा देने का काम किया और देश को आत्मनिर्भर बनाया. इसलिए, यह कहते हुए कि भारत, जो पहले कई मामलों में दूसरे देशों पर निर्भर था, अब हर सेक्टर में आत्मनिर्भर बन रहा है, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण ने बारह साल में मोदी सरकार के काम का पूरा रिव्यू किया. वह शुक्रवार को ठाणे में हुई एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोल रहे थे. इस मौके पर भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष केशव उपाध्ये, प्रदेश महासचिव विधायक निरंजन डावखरे,विधायक संजय केलकर आदि मौजूद थे.

महा विकास अघाड़ी सरकार कहती थी कि वह गरीबी खत्म कर देगी. असल में, उन्होंने इसके बारे में क्या किया, यह सभी जानते हैं. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने 25 करोड़ से ज़्यादा लोगों को गरीबी रेखा से बाहर निकालने का काम किया. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फूड सिक्योरिटी स्कीम के ज़रिए मुफ़्त अनाज देने का काम किया ताकि 80 करोड़ से ज़्यादा लोगों को दोनों टाइम का खाना मिल सके. उन्होंने यह लक्ष्य रखा कि प्रधानमंत्री आवास स्कीम के ज़रिए हर गरीब को अपना घर मिले. UPA सरकार में पहले यह बात होती थी कि देश के हितों के हिसाब से देश की सीमाएं सुरक्षित होनी चाहिए. लेकिन उस सरकार ने इस बारे में एक भी कदम नहीं उठाया था. 2014 में जब से देश के हितों की रक्षा करने वाली मोदी सरकार सत्ता में आई, उसके लिए ज़रूरी फ़ैसले लिए गए. पहले हमें डिफ़ेंस मटीरियल के लिए अलग-अलग सुपरपावर देशों पर निर्भर रहना पड़ता था. लेकिन अब भारत डिफ़ेंस सेक्टर में सबसे बड़ा एक्सपोर्टर बनकर सामने आ रहा है, ऐसा चव्हाण ने बताया.

कोरोना काल में नरेंद्र मोदी की सरकार ने न सिर्फ़ अपने देश में मुफ़्त वैक्सीनेशन किया, बल्कि दुनिया के कई दूसरे देशों को भी बड़ी मात्रा में वैक्सीन देने का काम किया. वन नेशन वन ग्रिड के लक्ष्य के साथ बिजली बनाकर 2014 से पहले मौजूद बिजली की कमी और लोड शेडिंग की समस्या को हल किया. नॉन-कन्वेंशनल एनर्जी, सोलर एनर्जी, फ्यूल के लिए ज़रूरी फॉरेन एक्सचेंज को ध्यान में रखते हुए ज़रूरी कदम उठाए गए. नतीजतन, इंडस्ट्री के साथ-साथ घरेलू इस्तेमाल के लिए बिजली अब बहुत ज़्यादा मिल रही है, इस बात पर ध्यान दिलाते हुए, चव्हाण ने पिछले बारह सालों में मोदी सरकार की कई स्कीम्स का रिव्यू किया.

चव्हाण ने आगे कहा, प्रधानमंत्री मोदी ने दिन-रात काम करके, इस विज़न के साथ कि सरकारी स्कीम्स आखिरी आदमी तक पहुँचें, देश के हर नागरिक को ध्यान में रखते हुए, देश की इकॉनमी को चौथे नंबर पर पहुँचाने का काम किया.

अधिवेशन में अवैध फेरीवालों और बांधकाम का उठेगा मुद्दा

ठाणे. शहर में अनिधिकृत बांधकाम और फेरीवालों की भरमार है अधिकारियों की लापरवाही की वजह से माफिया ताकतवर हो गया है.वहीं मनपा आयुक्त अधिकारियों के खिलाफ एक्शन नहीं ले रहे हैं.विधायक संजय केलकर ने बताया कि आने वाले मॉनसून अधिवेशन में इस गंभीर समस्या को उठाया जाएगा. शहर में बिना इजाज़त के कंस्ट्रक्शन की भरमार है और ये कंस्ट्रक्शन सभी वार्ड में बड़ी संख्या में चल रहे हैं. इसकी वजह से आम लोगों और मनपा को मिलने वाली सुविधाओं पर दबाव पड़ रहा है और पैसे का नुकसान हो रहा है. दूसरी तरफ, बिना इजाज़त के फेरीवाले भी फुटपाथ और सड़कों पर कब्ज़ा करके बिजनेस कर रहे हैं. इस बिजनेस से करोड़ों रुपये का टर्नओवर होता है. ये दोनों ही समस्याएं ठाणे के टैक्सपेयर्स को परेशान कर रही हैं और शहर में माफिया मजबूत हो गया है मनपा के अधिकारी शिकायतों के बाद भी कार्रवाई नहीं कर रहे हैं. इस बीच आयुक्त इन अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं कर रहे हैं. इन समस्याओं को लेकर ठाणे के लोगों में नाराजगी है और वे आने वाले मानसून अधिवेशन में इन मुद्दों को उठाकर राज्य सरकार को इसमें दखल देने के लिए मजबूर करेंगे, ऐसा केलकर ने बताया. कलवा के वाघोबानगर में बिना इजाज़त मस्जिद बनाने को लेकर मनपा ने आक्रामक रुख अपनाने के बाद कार्रवाई की, लेकिन केलकर ने यह भी राय दी कि अगर समय पर कार्रवाई की जाए तो भविष्य में झगड़े नहीं होंगे. सावरकरनगर में प्लान की गई सिद्धिविनायक सोसायटी में 110 परिवार और लोकमान्यनगर में शिव औदुंबर सोसायटी में 275 परिवार हैं. यहां SRA प्रोजेक्ट चल रहा है और उन्हें क्लस्टर में शामिल किया गया है. क्योंकि संबंधित प्रशासन दबाव में इन सोसाइटियों को क्लस्टर से बाहर नहीं कर रहा था, इसलिए स्थानीय नगरसेवक अमित सरैया ने निवासियों के साथ केलकर से मुलाकात की. निवासियों ने डर जताया कि SRA प्रोजेक्ट को क्लस्टर में घरों के लिए 20-25 साल तक इंतज़ार करना पड़ेगा. केलकर ने इस बारे में हाई-लेवल कमेटी के अधिकारियों से बात की, जिसके बाद इस प्रोजेक्ट को क्लस्टर से बाहर कर दिया गया. इससे सैकड़ों परिवारों को राहत मिली है.

इस कार्यक्रम में फाइलेरिया डिपार्टमेंट के कर्मचारियों के विरासत के अधिकार, रुस्तमजी हाउसिंग कॉम्प्लेक्स में पानी की कमी, फाइनेंशियल फ्रॉड जैसे कई विषयों पर चर्चा हुई. केलकर ने तुरंत संबंधित अधिकारियों से फोन पर संपर्क किया और समाधान सुझाए. इस मौके पर नगरसेवक विकास पाटिल, अमित सरैया, सुरेश कांबले, पूर्व मेयर मनोहर गाढ़वे, स्वप्नाली सालवी, रक्षा यादव आदि मौजूद थे.

FOLLOW US @ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com
उल्हास विकास NEWS LIVE
GET IT ON ULHAS VIKAS Google Play
Subscribe to our ULHAS VIKAS YouTube Channel
Subscribe
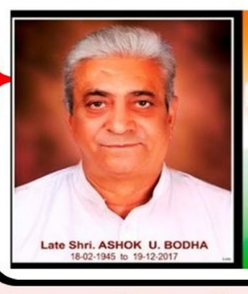
Late Shri. ASHOK U. BODHA 18-02-1945 to 19-12-2017
मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
उल्हास विकास
लोकप्रिय हिंदी दैनिक
सब पे नजर, सबकी खबर
Since 1985
www.ulhasvikas.com epaper.ulhasvikas.com
Chief Editor Hero Ashok Bodha
L.L.B., BMM, MA (PS)

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099